मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची,गुरुवार, 21 मई 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 246 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 तमिलनाडु की राजनीति और सनातन का विरोध

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बोले आयुष्मान खुराना 6

कुदाल से मारकर बेटे ने की पिता की हत्या,फरार

संवाददाता

लातेहार: जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत शिंजो पंचायत में एक सनकी बेटे ने कुदाल से मारकर अपने पिता की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन की। फिलहाल घटना के बाद से आरोपी फरार है।

डांट से नाराज होकर पिता की ले ली जानः दरअसल, मनिका थाना क्षेत्र के शिंजो पंचायत निवासी चंदन सिंह को किसी बात को लेकर उनके पिता राजकुमार सिंह ने बुधवार की रात हल्की डांट फटकार लगाई थी। इसी बात से नाराज होकर चंदन सिंह ने घर में रखे कुदाल से अपने पिता के सिर पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद चंदन सिंह घर से भाग गया।

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को भी दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी प्रभात दास के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी प्रभात दास ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जा रही है।

मानसिक रूप से बीमार रहता था चंदनः मृतक राजकुमार सिंह की पत्नी और हत्यारे चंदन सिंह की मां ने बताया कि चंदन की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। कुछ दिन पहले ही उसे रांची से इलाज कराकर घर लाया गया था। बताया जाता है कि चंदन की मानसिक स्थिति ऐसी थी कि छोटी-छोटी बातों पर भी उग्र हो जाता था। संभावना जताई जा रही है कि अपने पिता के किसी बात से वह नाराज होकर अपने पिता की हत्या कर दी।

घटना के बाद आरोपी हुआ फरारः इधर, अपने पिता की हत्या करने के बाद चंदन फरार हो गया है। घटना देर रात की थी, जिसके कारण रात में आसपास के लोगों को जानकारी नहीं हुई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी फरार होने में सफल रहा। फिलहाल पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा जा रहा है।

दबंगो ने सो रहे व्यक्ति पर चढ़ाया गाड़ी,गंभीर

रांची : धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत जगन्नाथपुर इलाके में एक व्यक्ति पर दंबगों ने चार पहिया वाहन चढ़ा दिया। घटना रात की है। जहां व्यक्ति अपने घर के पास के मैदान में सोया हुआ था। इसी दौरान एक व्यक्ति पर चार पहिया वाहन चढ़ा दिया। इस घटना में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में आक्रोश और तनाव का माहौल व्याप्त है।

सोते हुए व्यक्ति को कुचलने का प्रयासः जानकारी के अनुसार, पीड़ित व्यक्ति भीषण गर्मी के कारण रात में अपने घर के बगल में स्थित एक खुले मैदान में सोया हुआ था। इसी दौरान इलाके के कुछ दबंग वहां एक वाहन लेकर आए। आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर मैदान में सो रहे व्यक्ति को निशाना बनाते हुए उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। चीख-पुकार सुनकर जब तक आस-पास के लोग मौके पर जुटें, तब तक आरोपी पुलिस और जनता के डर से वाहन को वहीं छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही धुर्वा थाना पुलिस तुरंत दलबल के साथ मौके पर पहुंचें।

झारखंड में एक साथ 27 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

8 नक्सलियों पर था 33 लाख का इनाम, 16 हथियार और 2857 गोलियां भी सौंपी

संवाददाता

रांची: झारखंड अलग राज्य गठन होने के बाद पहली बार 25 से अधिक नक्सलियों ने एक साथ अपने हथियार डाल दिए हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने भारी संख्या में हथियार और कारतूस भी पुलिस को सौंपे हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 25 भाकपा (माओवादी) और 2 जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के सदस्य हैं। इनमें आठ नक्सलियों पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन सभी के खिलाफ मिलकर कुल 426 नक्सलियों के मामले दर्ज हैं।

पहली बार इतनी बड़ी सफलताः सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस और खुफिया विभाग का प्रयास अब जमीन पर दिख रहा है। पिछले एक महीने से सारंडा में सक्रिय दो दर्जन से ज्यादा नक्सली हथियार के साथ जंगल से निकलने का प्रयास कर रहे थे, जिसे सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित जंगल से बाहर निकाल लिया है।

धुर्वा स्थित झारखंड पुलिस मुख्यालय में गुरुवार दिन के 11 बजे आयोजित विशेष कार्यक्रम में सभी नक्सली एक साथ आधिकारिक रूप से सरेंडर कर दिया। आत्मसमर्पण के साथ-साथ नक्सलियों ने आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी पुलिस को सौंपा है। जिनमें लाइट मशीन गन , 5 इंसास राइफल, 9 एसएलआर राइफल, 1 बोल्ट-एक्शन राइफल, 1 पिस्टल, 31 मैगजीन, 3000 राउंड जिंदा कारतूस शामिल हैं।

ईडी ने रिम्स जमीन खरीद बिक्री मामले में ईसीआईआर दर्ज कर शुरू की जांच

मेट्रो रेज

रांची : रांची में रिम्स की अधिग्रहित जमीन से जुड़े बहुचर्चित फजीर्वाड़ा मामले में आरोपियों को बड़ा झटका लगा हैं। एसीबी की विशेष अदालत ने जेल में बंद आरोपी राजेश झा और चेतन कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी हैं। वहीं सुमित्रा कुमारी बड़ाईक और मुन्नी कुमारी को भी अग्रिम राहत देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 7 अप्रैल को चार

आरोपियों राजकिशोर बड़ाइक, कार्तिक बड़ाइक, राजेश झा और चेतन कुमार को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने आपसी मिलीभगत कर रिम्स की अधिग्रहीत जमीन को निजी संपत्ति दिखाने के लिए फर्जी वंशावली तैयार की थी।

यह मामला वर्ष 1964-65 में रिम्स के लिए अधिग्रहित करीब 9.65 एकड़ जमीन से जुड़ा हुआ हैं। आरोप है कि जमीन पर अवैध कब्जा कर वहां अपार्टमेंट, दुकान और मकान बना लिए गए थे। झारखंड हाई कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद एसीबी ने 5 जनवरी 2026 को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद जांच तेज करते हुए कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

फिलहाल मामले की जांच जारी है और एसीबी इस फजीर्वाड़े से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं।

आईएएस पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा को सिंगापुर जाने की मिली इजाजत

रांची : मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा को सिंगापुर जाने की अनुमति मिल गई हैं। दोनों ने पीएमएलए की विशेष अदालत में शपथ पत्र दाखिल किया था, जिसके बाद कोर्ट ने 31 मई तक विदेश यात्रा की स्वीकृति दे दी हैं। जानकारी के मुताबिक, पूजा सिंघल और अभिषेक झा ने अपनी बेटी के इलाज के लिए सिंगापुर जाने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने मामले पर सुनवाई करते हुए दोनों को निर्धारित अवधि तक विदेश यात्रा की इजाजत प्रदान कर दी। बता दें कि, पूजा सिंघल और अभिषेक झा खूंटी मनरेगा घोटाला मामले में आरोपी हैं। ईडी द्वारा मामले की जांच की जा रही हैं। स केस में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद पूजा सिंघल को करीब 28 महीने बाद जमानत मिली थी।

शांति समझौते को लेकर कूटनीति तेज

अमेरिका का संदेश लेकर आज ईरान जा रहे असीम मुनीर

नई दिल्ली/ एजेंसी:: असीम मुनीर गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान पहुंच सकते हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर तेजी से बातचीत चल रही है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच संदेश पहुंचाने और बातचीत को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है। इससे पहले पाकिस्तान के गृह मंत्री भी इस सप्ताह दूसरी बार तेहरान पहुंचे थे। वहां उन्होंने ईरानी अधिकारियों और नेताओं से मुलाकात की।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से भी बातचीत की। इस दौरान अमेरिका-ईरान वार्ता, वेस्ट एशिया की स्थिति, क्षेत्रीय तनावव संभावित समझौते पर चर्चा हुई। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि अमेरिका का नया प्रस्ताव तेहरान को मिल चुका है और उसकी समीक्षा की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईरान तक पहुंचाया गया है। ईरान ने कहा कि बातचीत अभी जारी है और कई दौर की कूटनीतिक चर्चा हो चुकी है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति लगातार ईरान पर दबाव बना रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने सही जवाब नहीं दिया तो हालात बहुत तेजी से युद्ध की तरफ जा सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि हम पूरी तरह तैयार हैं। हमें 100% सही जवाब चाहिए। इसके बाद व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी ने और सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के पास केवल दो विकल्प हैं अमेरिका की शर्तें मानना या अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का सामना करना। अगर बातचीत सफल होती है तो युद्ध टल सकता है, होर्मुज जलडमरूमध्य संकट कम हो सकता है, तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है लेकिन अगर वार्ता विफल हुई तो अमेरिका और ईरान के बीच बड़ा सैन्य टकराव शुरू हो सकता है।

पलामू डीसी ने किसानों को दिया आमदनी बढ़ाने का मंत्र, सुखाड़ प्रबंध पर कार्यशाला

पलामू : जिले में किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति नगर भवन में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य विषय जलवायु अनुकूल कृषि एवं सुखाड़ प्रबंधन रखा गया। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक खेती और कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के तरीके बताए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान जिले के कृषि पदाधिकारी, विशेषज्ञ और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पारंपरिक खेती से आगे बढ़ने की जरूरत: डीसी उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर रहकर अच्छी आमदनी हासिल करना मुश्किल होता जा रहा है। बदलते मौसम और सुखाड़ जैसी समस्याओं को देखते हुए किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि किसान यदि व्यावसायिक और बाजार आधारित फसलों की खेती करें तो उनकी आय में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी। वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर उत्पादन बढ़ता है और फसल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है, जिससे किसानों को बाजार में अधिक लाभ मिलता है।

कम पानी वाली फसलें बनेंगी फायदे का सौदा: डीसी ने किसानों को सलाह दी कि वे ऐसी फसलों की खेती करें, जिनमें कम पानी की जरूरत पड़ती हो। उन्होंने कहा कि सुखाड़ की स्थिति में पानी सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में कम पानी वाली वैकल्पिक फसलें किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि दलहन, तिलहन और अन्य कम लागत वाली फसलों को बढ़ावा देकर किसान कम संसाधनों में भी बेहतर आमदनी कमा सकते हैं। इससे खेती का जोखिम भी कम होगा और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

जल संरक्षण से बढ़ेगा उत्पादन और मुनाफा: कार्यशाला में जल संरक्षण को खेती की सफलता का अहम हिस्सा बताया गया। उपायुक्त ने किसानों से खेतों में पानी बचाने की तकनीक अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि किसान जल संचयन और आधुनिक सिंचाई पद्धति पर ध्यान दें तो कम बारिश की स्थिति में भी फसल बचाई जा सकती है। विशेषज्ञों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई, वर्षा जल संचयन और खेत तालाब जैसी तकनीकें किसानों के खर्च को कम कर सकती हैं और उत्पादन बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती हैं।

आधुनिक तकनीक से खेती होगी आसान: कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को नई तकनीकों और आधुनिक कृषि उपकरणों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर लागत कम होती है और उत्पादन अधिक मिलता है। किसानों को बीज चयन, मिट्टी जांच, जैविक खाद और मौसम आधारित खेती की जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बदलते मौसम के अनुसार खेती की रणनीति तैयार करना अब जरूरी हो गया है।

किसानों ने पूछे सवाल, मिले समाधान: कार्यशाला के दौरान किसानों ने कृषि विशेषज्ञों से सीधे सवाल पूछे और अपनी समस्याओं का समाधान जाना। किसानों ने सुखाड़, सिंचाई, बीज और बाजार से जुड़ी परेशानियों को सामने रखा। विशेषज्ञों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। किसानों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें खेती के नए तरीके सीखने और आमदनी बढ़ाने में मदद मिलती है।

खेती को व्यवसाय बनाने की सलाह: कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि किसान खेती को केवल पारंपरिक काम नहीं, बल्कि व्यवसाय के रूप में देखें। आधुनिक तकनीक, जल संरक्षण और बाजार आधारित खेती के जरिए किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में काम किया जा सकता है। पलामू प्रशासन की इस पहल से किसानों को उम्मीद है कि आधुनिक और वैज्ञानिक खेती अपनाकर वे सुखाड़ जैसी चुनौतियों के बीच भी बेहतर उत्पादन और अच्छी आमदनी हासिल कर सकेंगे।

हरिहरगंज में इंडेन गैस गोदाम से 275 भरे सिलेंडर पार, ट्रक लेकर आए थे शातिर चोर

संवाददाता

पलामू: जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र से चोरी की एक बेहद हैरान करने वाली और बड़ी वारदात सामने आई है। यहां शहरी इलाके के भगत तेंदुआ स्थित अपना इंडेन ग्रामीण वितरक के गैस गोदाम को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने 275 पीस भरे हुए एलपीजी गैस सिलेंडर चोरी कर लिए। इतनी बड़ी तादाद में भरे हुए सिलेंडरों की चोरी से न सिर्फ गैस एजेंसी प्रबंधन बल्कि स्थानीय पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है। मामले को लेकर गोदाम के प्रोपराइटर (संचालक) दीपक कुमार ने हरिहरगंज थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित संचालक मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के माली थाना क्षेत्र अंतर्गत रतनपुरा के रहने वाले हैं।

दोपहर में जब स्टाफ पहुंचा तो खुला राज: दर्ज प्राथमिकी और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना 19 मई की रात की बताई जा रही है। गोदाम का स्थानीय स्टाफ अनुज कुमार रोजाना की तरह शाम को पूरा काम निपटाकर गोदाम को सुरक्षित बंद कर अपने घर चला गया था। अगले दिन यानी बुधवार (20 मई) की दोपहर करीब एक बजे जब अनुज दोबारा ड्यूटी पर गोदाम पहुंचा, तो उसे चोरी का अहसास हुआ। उसने सबसे पहले चहारदीवारी (बाउंड्री वॉल) में लगे छोटे गेट का ताला खोला और जैसे ही वह परिसर के भीतर दाखिल हुआ, तो उसके होश उड़ गए। गोदाम के मुख्य लोहे के गेट का भारी-भरकम ताला नीचे टूटा हुआ पड़ा था। जब स्टाफ अनुज भागकर गोदाम के अंदर गया, तो वहां लाइन से रखे हुए 275 भरे हुए गैस सिलेंडर गायब थे। उसने तुरंत इसकी सूचना मकान मालिक और गोदाम के प्रोपराइटर दीपक कुमार को दी।

मुजफ्फरपुर डिपो से आई थी खेप : गोदाम संचालक दीपक कुमार ने पुलिस को बताया कि बीते 27 अप्रैल को ही बिहार के मुजफ्फरपुर डिपो से गैस सिलेंडरों की एक बड़ी खेप इस ग्रामीण वितरण केंद्र के गोदाम में पहुंची थी। 275 भरे हुए सिलेंडरों का वजन और आकार इतना ज्यादा होता है कि इसे कोई एक या दो इंसान बिना किसी बड़े वाहन के नहीं ले जा सकता। स्थानीय लोगों और पुलिस को आशंका है कि चोरों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए आधी रात को किसी बड़े मालवाहक ट्रक या पिकअप वैन का इस्तेमाल किया होगा और कटर या भारी औजार से ताला तोड़कर आराम से सारे सिलेंडर लोड कर चंपत हो गए।

मामले की जांच में जुटी पुलिस: गैस गोदाम में इतनी बड़ी चोरी की सूचना मिलते ही हरिहरगंज थाने के सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार पुलिस बल के जवानों के साथ तुरंत भगत तेंदुआ स्थित घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने पूरे घटना स्थल का मुआयना किया फिर टूटे हुए तालों को जब्त कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। इधर, हरिहरगंज के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि गैस सिलेंडर चोरी की आधिकारिक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस तकनीकी सेल की मदद से घटना के सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। चोरों के सुराग के लिए हरिहरगंज-औरंगाबाद मुख्य मार्ग और आस-पास के टोल प्लाजा व दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि संदिग्ध वाहनों की पहचान की जा सके।

मासूम अदिति की सकुशल बरामदगी को लेकर सदर थाना के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन

संवाददाता

मुरी: 18 माह की मासूम अदिति पांडे की सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर सदर थाना, राँची के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार के द्वारा एसएसपी राकेश रंजन के नाम ज्ञापन सौंपा गया।कार्यक्रम में जेएलकेएम केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो, अदिति के माता अंकिता पांडे, पिता मनीष पांडे, बड़ी संख्या में महिला, सामाजिक कार्यकर्ता, युवाओं एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर मासूम बच्ची की सुरक्षित वापसी एवं त्वरित न्याय की मांग को बुलंद किया।

देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि पिछले 12 दिनों से एक 18 माह की मासूम बच्ची का लापता रहना अत्यंत गंभीर विषय है। यह केवल एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पूरे समाज और कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। प्रशासन इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र सकुशल बरामदगी सुनिश्चित करे। प्रशासन तत्काल अदिति का स्थिति स्पष्ट कर परिजन को संतुष्ट करे। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। मासूम अदिति पांडे की सकुशल बरामदगी तक न्याय और इंसाफ की लड़ाई जारी रहेगी।

प्रदर्शन के उपरांत प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बच्ची की अविलंब सकुशल बरामदगी, उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई एवं मामले की नियमित मॉनिटरिंग की मांग की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि एक मासूम बच्ची की सुरक्षा पूरे समाज की जिम्मेदारी है, ऐसे मामलों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अंत में देवेन्द्र नाथ महतो ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि इंसानियत और न्याय के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करें, ताकि मासूम अदिति अपने परिवार तक सुरक्षित लौट सके।

राजभवन में गूंजा चतरा का मुद्दा

विश्वविद्यालय की शैक्षिक बदहाली पर उठी आवाज

संवाददाता

चतरा: विनोबा भावे विश्वविद्यालय की शैक्षिक समस्याओं एवं चतरा नगर परिषद अध्यक्ष मामले को लेकर सोमवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल सह कुलाधिपति से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय एवं चतरा से जुड़े विभिन्न जनहित और शिक्षा संबंधी मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।प्रतिनिधिमंडल ने चतरा कॉलेज की जमीन के लीज नवीकरण में हो रही देरी, विश्वविद्यालय में शिक्षक की कमी, नामांकन प्रक्रिया में अव्यवस्था तथा अन्य शैक्षिक समस्याओं से महामहिम को अवगत कराया। सौंपे गए आवेदन में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर नीड बेस्ड शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग की गई। इसके अलावा रामगढ़ महिला महाविद्यालय को उपयुक्त भवन में स्थानांतरित करने, बीएड, एमएड एवं बीपीएड की नामांकन प्रक्रिया समय पर पूरा कराने तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की फीस राज्य स्तर पर एक समान निर्धारित करने की मांग भी उठाई गई।प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालयों में अधिषद एवं अभिषद की नियमित बैठक सुनिश्चित कराने की भी मांग की। सदस्यों ने कहा कि लगातार शैक्षिक अव्यवस्था के कारण छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

इधर प्रतिनिधिमंडल ने चतरा नगर परिषद अध्यक्ष पद के नामांकन में गलत जानकारी प्रस्तुत कर अवैध तरीके से अध्यक्ष बनने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी राज्यपाल से की। आवेदन में कहा गया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता एवं संवैधानिक प्रक्रिया का पालन जरूरी है।राज्यपाल सह कुलाधिपति ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मौके पर पूर्व प्रदेश मंत्री एबीवीपी एवं सीनेट सदस्य राजेश साह, संजय कुमार प्रभाकर, सीनेट सदस्य रंजीत राय, सिंडिकेट सदस्य डॉ। ललित राणा तथा पूर्व प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक सह सामाजिक कार्यकर्ता शुभम कुमार मौजूद थे।

चतरा के 22वें एसडीपीओ के रूप में सन्नी वर्धन ने किया पदभार ग्रहण,कहा-

नशे के सौदागरों और नक्सलियों पर कार्रवाई रहेगी जारी

संगठित अपराध पर भी कसी जाएगी नकेल

चतरा: झारखंड पुलिस सेवा सातवे बैच के अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक सन्नी वर्धन ने आज चतरा के 22 वें एसडीपीओ के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन से प्रभार लिया। निवर्तमान एसडीपीओ संदीप सुमन ने पदभार ग्रहण करने पहुंचे नए एसडीपीओ सन्नी का कार्यालय कक्ष में बुके देकर स्वागत किया।नव पदस्थापित एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार ने जो जिम्मेदारी उन्हें दी है, उसका ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा की जनता की सेवा ही सर्वोच है। क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बहाल करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। इसके अलावे जिले में सक्रिय अफीम और ब्राउन तस्करों पर कार्रवाई जारी रहेगी। कहा कि निवर्तमान एसडीपीओ संदीप सुमन ने चतरा में काफी बेहतर कार्य किया है। इनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से बेहतर पुलिसिंग और क्राइम कंट्रोल में पुलिस को सहयोग करने की अपील की। कहा कि फरियादियों के लिए 24 घंटे उनका दरवाजा खुला रहेगा। इसके बाद निवर्तमान एसडीपीओ को भी उन्होंने बुके देकर सम्मान दिया गया। प्रभार लेने से पूर्व नव पदस्थापित एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर पहुंचकर मत्था टेका और क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की।आपको बताते चलें कि चतरा में पदस्थापन से पूर्व, चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन जमशेपुर में ट्रेनी डीएसपी के रूप में कार्य कर रहे थे।

खरीफ मौसम को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन, किसानों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

संवाददाता

चतरा: जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल में जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 550 किसानों ने भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा उपस्थित हुए।इस मौके पर उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त ने किसानों को बदलते मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आकस्मिक फसल अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऊपरी भूमि पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि किसानों की सुविधा एवं कृषि उत्पादों के सुरक्षित भंडारण के उद्देश्य से जिले के सभी प्रखंडों में सोलर कोल्ड स्टोरेज स्थापित किए जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।जिला कृषि पदाधिकारी ने खरीफ मौसम को लेकर कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आकस्मिक फसल, बीज चयन, खेती की आधुनिक तकनीक एवं विभागीय योजनाओं के संबंध में विस्तार से किसानों को अवगत कराया।आत्मा के उप परियोजना निदेशक रमेश कुमार ने आत्मा योजना अंतर्गत किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण, परिभ्रमण एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। वहीं जिला मत्स्य, पशुपालन, भूमि संरक्षण एवं सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी किसानों को दी।कार्यक्रम में उपस्थित एलडीएम द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना के लाभ एवं बैंकिंग सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला का मंच संचालन आत्मा के उप परियोजना निदेशक रमेश कुमार ने किया।इस अवसर पर जिला कृषि विभाग एवं आत्मा के कर्मियों के साथ-साथ सभी प्रखंडों के एटीएम एवं बीटीएम भी उपस्थित थे।

देश की संप्रभुता की रक्षा को लेकर देश व्यापी आंदोलन करेगा राष्ट्रीय किसान मोर्चा

मुरी: राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की आनलाइन बैठक में देशभर के संयुक्त किसान मोर्चा के नेता उपस्थित हुए। बैठक में 27 से 31 मई तक मोदी सरकार का पुतला दहन एवं 9- 10 अगस्त को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन का निर्णय लिया गया। उक्त कार्यक्रम की तैयारी के लिए किसान - मजदूर की एकता को सामने रखकर व्यापक तैयारियां की जाएगी। ट्रंप के दबाव में रूस व ईरान ने पेट्रोलियम एवं गैस नहीं खरीदने पर भारत में व्यापक संकट पैदा हो गया है,साथ ही भारतीय रूपया की सबसे ज्यादा गिरावट,देश भर में नफरत की राजनीति, किसान विरोधी बिज और बिजली विधेयक,4 लेबर कोड,भारत अमेरिका व्यापार समझौता मनरेगा के खात्मे के खिलाफ संयुक्त किसान सड़कों पर उतर कर मोदी सरकार की विफलता व देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए देशव्यापी आंदोलन तेज करेगी।

ईटखोरी जैन मंदिर से 100 साल पुरानी अष्टधातु की मूर्ति चारी, पुजारी ने दर्ज कराई प्राथमिकी

चतरा: ईटखोरी चौक स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से करीब 100 साल पुरानी अष्टधातु की बनी 24 तीर्थकर की प्रतिमा चोरी हो गई। मंदिर के पुजारी ने ईटखोरी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आवेदन के अनुसार, चोरी हुई प्रतिमा का आकार लगभग 6 इंज और वजन करीब 500 ग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए है। मंदिर के मुख्य पुराजी ताराचंद जैन ने पुलिस को बताया कि 19 मई की शाम करीब 7 बजे वे मंदिर में पूजा करने के बाद घर चले गए थे। 20 मई की सुबह करीब 7 बजे पूजा करने मंदिर पहुंचे, तो अष्टधातू से बनी 24 तीर्थकर की प्रतिमा गायब थी। उन्होंने आसपास प्रतिमा की तलाश की, लेकिन जानकारी नहीं मिली।

दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल ने कहा-

समाज की चेतना व राष्ट्र की प्रगति का आधार है शिक्षा

मेट्रो रेज

रांचीः राज्यपाल-सह- राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने आज उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा चाणक्य बीएनआर होटल, रांची में आयोजित दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कहा कि यह सम्मेलन झारखण्ड की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की चेतना एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। विश्वविद्यालय विचार, ज्ञान, अनुशासन, शोध और चरित्र निर्माण के केंद्र होते हैं तथा किसी भी राज्य का भविष्य उसके शिक्षण संस्थानों में ही आकार लेता है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड में स्कूली शिक्षा की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, किंतु उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य का सकल नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है तथा उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट की समस्या भी गंभीर है। गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण, समयबद्ध परीक्षाओं एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा के अभाव में बड़ी संख्या में विद्यार्थी राज्य से बाहर जाने को विवश होते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति हम सभी के लिए आत्ममंथन का विषय है।

राज्यपाल ने कहा कि अब समय केवल समस्याओं की चर्चा करने का नहीं, बल्कि समाधान और परिणाम के साथ आगे बढ़ने का है। आउटकम स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। विश्वविद्यालयों की पहचान केवल भवनों एवं परिसरों से नहीं, बल्कि उनके शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, शोध, नवाचार एवं उपलब्धियों से होती है। उन्होंने कहा कि जिस दिन झारखण्ड के विद्यार्थी यह महसूस करेंगे कि उसे बेहतर शिक्षा के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है, उस दिन हम कह सकेंगे कि हमारा प्रयास वास्तव में सफल हुआ है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सर्च कमिटी के माध्यम से की गई है और उनसे बहुत अपेक्षाएँ हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति केवल प्रशासक नहीं, बल्कि एकेडेमिक लीडर के रूप में कार्य करें। उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा स्वयं कक्षा लेने के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से विश्वविद्यालयों में अनुशासन एवं विद्यार्थियों का विश्वास दोनों मजबूत होते हैं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को नई गति एवं दिशा देने के उद्देश्य से झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थानों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी कुलपतियों एवं विश्वविद्यालय पदाधिकारियों से नए अधिनियम का गंभीरता से अध्ययन करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में एकेडमिक कैलेंडर का दृढ़ता से पालन सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि नियमित कक्षाएँ संचालित हों, पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण हो तथा परीक्षाएँ एवं परिणाम निर्धारित समयसीमा में प्रकाशित किए जाएँ। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी प्रकार की प्रशासनिक शिथिलता का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने शोध, नवाचार, कौशल आधारित शिक्षा स्टार्टअप और इंडस्ट्रीज लींकेज को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र न बनें, बल्कि नवाचार एवं कौशल विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित हों। उन्होंने वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शिता को भी अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि सार्वजनिक धन का उपयोग पूर्ण जवाबदेही एवं ईमानदारी के साथ किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि सभी कुलपति, विश्वविद्यालय पदाधिकारी एवं शिक्षाविद संकल्प के साथ मिलकर कार्य करें, तो झारखण्ड की शैक्षणिक छवि निश्चित रूप से बदलेगी और आने वाले समय में राज्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श एवं अनुकरणीय पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी ने कहा कि उच्च शिक्षा का संपूर्ण नेतृत्व इस सभागार में उपस्थित है और अब केवल चर्चा नहीं, बल्कि परिणामोन्मुख कार्य की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व की कोई निश्चित परिभाषा नहीं होती, लेकिन स्पष्ट दिशा एवं प्रभावी कार्य-ढाँचा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सचिव द्वारा जाकर कॉलेजों का संचालन संभव नहीं है, बल्कि कुलपति, डीन एवं शिक्षकों को मिलकर नेतृत्वकारी भूमिका निभानी होगी।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आज केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि आउटकम बेस्ड शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह आत्मचिंतन का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय समाज से वास्तव में जुड़े हैं तथा क्या शोध कार्य स्थानीय समस्याओं के समाधान की दिशा में केंद्रित हैं? उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल भवन मात्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाले केंद्र होने चाहिए। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षक को भी तकनीक के अनुरूप स्वयं को निरंतर अपडेट करना होगा। आज अकएवं अन्य आधुनिक तकनीक के युग में यदि कोई शिक्षक 45 से 60 मिनट तक विद्यार्थियों को विषय से जोड़े रखते हैं, तो यह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। डॉ० कुलकर्णी ने विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक एवं वित्तीय तंत्र को अधिक सक्षम एवं पारदर्शी बनाने पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान न बनें, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले केंद्र के रूप में विकसित हों। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षाविद् को आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वे अपने बच्चों को भी उसी विश्वविद्यालय में पढ़ाना पसंद करेंगे। यही किसी संस्थान की वास्तविक गुणवत्ता की कसौटी है।

एसआईआर को लेकर बूथों पर जारी होगी अनमैप्ट इलेक्ट्रोर लिस्ट, मतदाता अपना नाम कर सकेंगे चेक

मेट्रो रेज

रांचीः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखंड, रांची के निर्देश के आलोक में रांची जिला अंतर्गत सभी सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर दिनांक 23 मई(शनिवार) को अनमैप्ट इलेक्ट्रोर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। यह प्रक्रिया मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत की जा रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार रांची जिला अंतर्गत आने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों तमाड, सिल्ली, खिजरी, रांची, हटिया, कांके तथा मांडर के सभी मतदान केंद्रों पर यह सूची उपलब्ध रहेगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं का नाम पिछले एसआईआर(2003) की मतदाता सूची से मैप नहीं हो पाया है, वे संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अनमैप्ट इलेक्ट्रोर लिस्ट में अपना नाम जांच सकते हैं। यह व्यवस्था दिनांक 23 मई 2026 (शनिवार) को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर सूची का प्रकाशन सुनिश्चित करें तथा संबंधित बीएलओ की उपस्थिति भी सुनिश्चित कराएं।

साथ ही जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक, रांची को भी निर्देशित किया गया है कि उनके विभाग अंतर्गत कार्यरत बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों की उपस्थिति संबंधित मतदान केंद्रों पर निर्धारित समय तक सुनिश्चित की जाए।

जिला प्रशासन, रांची ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि यदि उनका नाम पूर्व की मतदाता सूची से मैप नहीं हुआ है, तो वे 23 मई को अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर सूची में जांच करें तथा बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक मैपिंग प्रक्रिया पूर्ण कराएं।

डीएवी कपिलदेव की नर्सिंग स्टाफ से यौन उत्पीड़न मामने में पूर्व प्रिसिंपल दोषी करार

मेट्रो रेज

रांची : रांची के चर्चित डीएवी कपिलदेव स्कूल यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी पूर्व प्राचार्य मनोज कुमार सिन्हा को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। यह मामला साल 2022 में सामने आया था, जब स्कूल की एक महिला नर्स ने अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पीड़ितों ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन प्राचार्य मनोज कुमार सिन्हा उसे लगातार परेशान करते थे और अश्लील संदेश भेजते थे। शिकायत में यह भी कहा गया था कि प्राचार्य ने कई बार गलत तरीकों से फायदा उठाने और मानसिक दबाव बनाने की कोशिश की। मामला सामने आने के बाद शिक्षा जगत में काफी हंगामा हुआ था।

लंबे समय तक चला कोर्ट में ट्रायलः इस केस की सुनवाई रांची सिविल कोर्ट में चल रही थी। दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुनाया। जांच के दौरान पुलिस ने चार्जशीट भी दाखिल की थी और कई सबूत कोर्ट में पेश किए गए थे। जब यह मामला सामने आया था, तब पूरे शहर में इसकी काफी चर्चा हुई थी। स्कूल प्रबंधन ने भी कार्रवाई करते हुए मनोज कुमार सिन्हा को उनके पद से हटा दिया था। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की थी। बताया जाता है कि गिरफ्तारी से पहले वह कुछ समय तक फरार भी रहे थे। बाद में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

जमानत भी हुई थी रद्दः मामले में पहले उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, लेकिन बाद में पीड़िता की शिकायत पर जमानत रद्द कर दी गई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि बाहर आने के बाद आरोपी की ओर से दबाव बनाने की कोशिश की गई। अदालत के फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। लोगों का कहना है कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

झारखंड पब्लिक स्कूल में आयोजित समर कैंप का बच्चों ने जमकर उठाया लुफ्त

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड पब्लिक स्कूल (चुटिया) में आयोजित 4 दिवसीय समर कैम्प का कल भव्य समापन हुआ। इस शिविर में कक्षा प्री नर्सरी से 1 तक के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य छुट्टियों के दौरान बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देना था।

इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के डायरेक्टर श्री राहुल प्रसाद और प्रिन्सपल अर्पणा सिंह का मुख्य योगदान रहा। उनके

कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी सोच के कारण ही इस शिविर का खाका तैयार किया गया। उन्होंने बच्चों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और शिविर के दौरान स्वयं उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। शिविर की वास्तविक सफलता के पीछे विद्यालय के सभी शिक्षकों और शिक्षिकाओं जिसमे पिंकी, बिन्दु, संगीता, रेनू, जॉयश्री, शीला, सुमन, रीना, मरियम, प्रीति, अरुण, अंकित, सोनाली का मुख्य योगदान रहा। प्री-नर्सरी से पहली कक्षा के छोटे बच्चों को संभालते हुए, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बेहद धैर्य और प्यार से उन्हें नई-नई विधाएं सिखाई। शिक्षकों के अनथक प्रयास, व्यक्तिगत ध्यान और अनूठे शिक्षण तरीकों के कारण ही बच्चे मात्र 4 दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन करने में सक्षम हो सके। छोटे बच्चों की उम्र और रुचि को ध्यान में रखकर शिविर के दौरान निम्नलिखित मजेदार गतिविधियां आयोजित की गईं।

अंजुमन इस्लामिया में सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक

होटवार जेल कांड की उच्चस्तरीय जांच की मांग

गुलाम शाहिद

रांचीः राजधानी रांची के होटवार जेल में बंद युवती के साथ हुए कथित यौन शोषण मामले को लेकर अंजुमन इस्लामिया कॉन्फ्रेंस हॉल में सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा संलिप्त जेल अधिकारियों पर न्यायिक कार्रवाई की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की गई। बैठक के दौरान सिमडेगा जिले के कोलेबिरा में एक युवती की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना पर भी गहरी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि घटना के इतने दिन बाद

भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होना कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। सामाजिक कार्यकर्ता एस अली ने कहा कि यदि राजधानी रांची की जेल में इस तरह की घटना सामने आती है, तो यह पूरे राज्य के लिए बेहद गंभीर और शर्मनाक विषय है। उन्होंने सरकार से मांग की कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच मुख्यमंत्री स्वयं की निगरानी में कराएं, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

बैठक में समाजिक कार्यक्रता मेराज गद्दी, साजिद उमर, मो. सैफ, बब्बर भाई, मो. साजली, नैयर परवेज, सज्जाद इदरीसी, नेहाल अहमद, सरफराज सुड्डू, चुन्नू अफरोज समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सद्भावना दिवस पर कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

रांचीः भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर सद्भावना दिवस मनाया गया।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर झारखंड सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विधायक डॉ रामेश्वर उरांव,प्रदेश कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे,लाल किशोर नाथ शाहदेव,राजीव रंजन प्रसाद, जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव,शशिभूषण राय,डॉ राजेश गुप्ता,आदित्य विक्रम जायसवाल,कुमुद रंजन,फिरोज रिजवी मुन्ना, संजीत यादव ,मेहुल दूबे ने राजीव गांधी वरिष्ठ नागरिक उद्यान पहुंचकर राजीव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी का

शहादत दिवस सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि वरिष्ठ नागरिक उद्यान धुर्वा में पूर्व वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के सौजन्य से तथा आलोक कुमार दूबे, डॉ राजेश गुप्ता और शाहदेव के सतत प्रयास से राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष राजीव गांधी जी की जयंती एवं सद्भावना दिवस के अवसर पर यहां माल्यार्पण कर उनके विचारों को याद किया जाता है। ऐसे महान व्यक्तित्व को हम सब सादर नमन करते हैं।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा कि राजीव गांधी जी ने अपने कार्यकाल के दौरान ही 21वीं सदी में युवाओं और महिलाओं की सशक्त भूमिका की परिकल्पना कर ली थी। उन्होंने कहा कि समय से पहले उनके चले जाने के कारण 21वीं सदी के भारत का उनका सपना पूरी तरह साकार नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिलाने से लेकर पंचायती राज एवं शहरी निकायों में महिलाओं को आरक्षण देने जैसे ऐतिहासिक निर्णय राजीव गांधी जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम थे। उन्होंने कहा कि हम सभी उन्हें नमन करते हैं और विश्वास करते हैं कि उनके सपनों को आगे बढ़ाने का कार्य राहुल गांधी करेंगे।

पूर्व वित्त मंत्री एवं लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि दुनिया उसी व्यक्ति को याद करती है जो दुनिया को कुछ देकर जाता है। उन्होंने कहा कि पूरा देश आज भी राजीव गांधी जी को प्रेम और सम्मान के साथ याद करता है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु में युवाओं को मतदान का अधिकार देने से लेकर आधुनिक भारत की नींव रखने तक राजीव गांधी जी का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की अवधारणा भी उनकी दूरदृष्टि का परिचायक थी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को आगे बढ़ाने का कार्य किया और देश सदैव उनके योगदान को याद रखेगा।

झारखण्ड सरकार, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर खूँटी

भर्ती कैम्प–22.05.2026

राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों को देश–विदेश के निजी क्षेत्रों में रोजगार के सुअवसर प्राप्त करने हेतु नियोजित करने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय खूँटी के द्वारा दिनांकः–22 मई 2026, दिन शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे से जिला नियोजनालय परिसर, खूँटी (कचहरी मैदान के सामने) भर्ती कैम्प आयोजित किया जा रहा है। उक्त भर्ती कैम्प में अब तक निम्नलिखित नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है:–

S N	Name and Address of the Employers	Name of the Post	No. Of Vacancies		Qualification	Experience	Salary	Age (Min-Max)	PF & ESIC (Yes/No)	Accommodation & Food Services (Yes/No)	Job Location
			Male	Female							
i	ii	iii	iv	v	vi	vii	viii	ix	x	xi	xii
01	EYEFORTE CARE PVT. LTD.	SALES EXECUTIVE	02	02	Graduation /PG	Freshers / 2 year	10000/-15000/-	25-30	Yes	No	KHUNTI & SIMDEGA
		DRIVER	01	00	Inter	5 year	10000/-15000/-	25	Yes	No	KHUNTI
		MARKETING	01	00	MBA/BBA	Driving Licence	25000/-30000/-	25-30	Yes	No	KHUNTI & SIMDEGA
02	PANIIT ALUMNI REACH FOR JHARKHAND FOUNDATION , RANCHI	TILES MASON, PLUMBER, ELECTRICAL, PIPEFITTER (INTERNATIONAL PLACEMENT-DUBAI)	140	00	10th & Above	Any	30000/- INR 40000 APPROX	18-32	No	Yes	DUBAI
		PLUMBER, CONSTRUCTION	40	00	5TH & Above	Any	20000/- 24000/-	18-32	Yes	Yes	PAN INDIA
		ELECTRICAL VEHICLE DRIVING	40	00	10th & Above	Any	17000/- 22000/-	18-32	No	Yes	
		FORKLIFT OPERATOR	15	15	10th & Above	Any	21000/-	18-32	Yes	Yes	
		ASSEMBLY LINE OPERATOR & INDUSTRIAL SEWING MACHINE OPERATOR (GIRLS)	00	40	8TH PASS & Above	Any	15000/- 17000/-	18-28	Yes	Yes	
03	DEV AUTOMOBILE KHUNTI	SALES	02	00	10th Pass	Any	9500/-	18+	No	No	KHUNTI
		COMPUTER OPERATOR	01	00	12th +ADCA	Any	10000/-	18+			
		ENGINE MACHANIC	01	03	8th & Above	Any	10000/-	18+			

इच्छुक आवेदक (उम्मीदवार) जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा jharniyojan.jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्ती कैम्प में नियोजकों के प्रतिनिधि के सम्मुख अपने सभी मूल प्रमाण पत्र, अंक प्रमाण पत्र, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्रों की छाया प्रति तथा बायोडाटा दो प्रतियों में दो पासपोर्ट साईज के फोटो के साथ साक्षात्कार हेतू उपस्थित हो सकते है। जो उम्मीदवार पूर्व में निबंधित है उन्हे पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि रिक्तियाँ निजि क्षेत्र से संबंधित है, अतएव चयन की प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं रहेगा। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहें है। भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

PR.NO.380318 Labour Employment and Traning(26-27):D

जिला नियोजन पदाधिकारी खूँटी।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा से क्या पाया!

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा आज भारत की दीर्घकालिक आर्थिक, तकनीकी और सामरिक रणनीतियों को गति देने वाली यात्रा साबित हुई है। दोनों देशों के बीच 17 महत्वपूर्ण समझौतों और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर हुए, जिनका दायरा सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि, उच्च शिक्षा, सांस्कृतिक विरासत और रणनीतिक साझेदारी तक फैला हुआ है।

वस्तुतः इन समझौतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे भारत की उन जरूरतों को संबोधित करते हैं जो अगले दो दशकों में उसकी आर्थिक शक्ति और वैश्विक भूमिका तय करेंगी, इसलिए ही आज यूरोप के तकनीकी रूप से उन्नत और जल प्रबंधन में विश्व अग्रणी देशों में शामिल नीदरलैंड के साथ यह सहयोग भारत के लिए कई स्तरों पर लाभकारी माना जा रहा है। भारत और नीदरलैंड ने ह्लभारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी रोडमैप 2026-2030ह्व में जल सुरक्षा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, हरित ऊर्जा, क्रिटिकल मिनरल्स और शिक्षा-शोध सहयोग को प्राथमिकता दी गई है, जिसका कि सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि निजी कंपनियों और निवेशकों को स्पष्ट नीति दिशा और दीर्घकालिक भरोसा मिलेगा।यह रोडमैप यूरोप और एशिया के बीच सप्लाई-चेन पुनर्गठन की उस वैश्विक प्रक्रिया का हिस्सा भी है, जिसमें चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की कोशिश की जा रही है। यात्रा का सबसे चर्चित समझौता टाटा इलेक्ट्रोनिक्स और एएसएमएल के बीच हुआ जोकि गुजरात के धोलेरा में स्थापित होने वाली सेमीकंडक्टर फैब परियोजना से जुड़ा है। दुनिया की सबसे उन्नत चिप निर्माण मशीनें बनाने वाली एएसएमएल का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्तमान समय में चिप उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। मोबाइल फोन, रक्षा उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमोबाइल और सुपरकंप्यूटर– सभी की निर्भरता सेमीकंडक्टर पर है।भारत लंबे समय से चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहा था। निश्चित ही यह समझौता उस दिशा में वास्तविक प्रगति का संकेत है। भारत के खान मंत्रालय और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय के बीच क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौता हुआ है, वह भी ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ मिनरल्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरियाँ, सौर ऊर्जा और रक्षा तकनीक इन खनिजों पर आधारित हैं। वर्तमान में इन संसाधनों पर चीन का बड़ा नियंत्रण है। ऐसे में यह समझौता भारत को वैकल्पिक आपूर्ति-श्रृंखला विकसित करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में मदद कर सकता है। जल प्रबंधन के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। समुद्र तल से नीचे बसे होने के बावजूद नीदरलैंड ने तकनीक और इंजीनियरिंग के दम पर जल संकट और बाढ़ नियंत्रण में अद्भुत सफलता प्राप्त की है। इसी अनुभव का लाभ लेने के लिए भारत के जल शक्ति मंत्रालय और डच इंफ्रास्ट्रक्चर एंड वॉटर मैनेजमेंट मंत्रालय के बीच गुजरात की कल्पसर परियोजना पर तकनीकी सहयोग का समझौता हुआ। यदि यह परियोजना सफल होती है, तो इससे तटीय क्षेत्रों में जल संरक्षण, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण की नई संभावनाएँ खुल सकती हैं। भारत जैसे जल संकट झेल रहे देश के लिए यह सहयोग दीर्घकालिक रूप से अत्यंत उपयोगी है। भारत और नीदरलैंड ने हरित हाइड्रोजन सहयोग पर रोडमैप तैयार किया है। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त कार्य समूह बनाने पर भी सहमति बनी। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी, जिसमें कि नीदरलैंड की तकनीकी क्षमता और भारत के विशाल ऊर्जा बाजार का संयोजन दोनों देशों के लिए लाभकारी हो सकता है। यात्रा के दौरान पश्चिम त्रिपुरा में फ्लोरीकल्चर के लिए इंडो-डच उत्कृष्टता केंद्र और बेंगलुरु में डेयरी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। नीदरलैंड कृषि तकनीक, डेयरी प्रबंधन और हाइड्रोपोनिक्स में विश्व स्तर पर अग्रणी माना जाता है। भारत में छोटे किसानों और पशुपालकों को आधुनिक तकनीक, बेहतर बीज, वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन और निर्यात आधारित खेती का लाभ मिल सकता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और नीदरलैंड के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान के बीच स्वास्थ्य सहयोग पर समझौता महामारी निगरानी, जैव सुरक्षा और चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा देनेवाला है ।कोविड महामारी के बाद वैसे भी सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोग का महत्व बढ़ गया है। संयुक्त शोध परियोजनाएँ भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से अधिक सक्षम बना सकती हैं। सांस्कृतिक कूटनीति की बड़ी सफलता इस बीच इस यात्रा का चोल राजवंश के ताम्रपत्रों की वापसी इस यात्रा का भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष रही। भारत पिछले कई वर्षों से विदेशों में मौजूद अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को वापस लाने के प्रयास कर रहा है। इन ताम्रपत्रों की वापसी पुरातात्विक उपलब्धि के साथ भारत की सांस्कृतिक पहचान और सभ्यतागत विरासत के सम्मान का प्रतीक भी है। सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज होगी। स्वभाविक तौर पर इससे निर्यातकों को कागजी प्रक्रियाओं में राहत मिलने और लॉजिस्टिक्स लागत घटने की संभावना है। छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकता है। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई दिखाई देती है। यह साझेदारी भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि आधुनिकीकरण और शिक्षा-शोध के क्षेत्रों में नई गति देनेवाली है। साथ ही, यह यूरोप के साथ भारत के बढ़ते रणनीतिक संबंधों का भी संकेत है।

तमिलनाडु की राजनीति और सनातन का विरोध

तमिलनाडु की राजनीति में सनातन के विरुद्ध मानहानिकारक शब्द प्रयोग की बाढ़ आ गई। यह आश्चर्यजनक है कि ऐसे राजनेता सनातन का वास्तविक रूप नहीं जानते। ऐसे नेताओं को भारतीय दर्शन के मूल तत्वों का अध्ययन करना चाहिए और इसके लिए तमिलनाडु के ही निवासी डॉ. राधाकृष्णन के ग्रन्थ पढ़ने चाहिए।

हृदयनारायण दीक्षित

तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म को समाप्त करने की मांग की गई है। उदयनिधि स्टालिन ने पिछले सप्ताह सदन में कहा है कि सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए। डीएमके के अन्य नेताओं ने भी सनातन परंपरा की निन्दा की है। जान पड़ता है कि तमिलनाडु की राजनीति में सनातन के विरुद्ध मानहानिकारक शब्द प्रयोग की बाढ़ आ गई। यह आश्चर्यजनक है कि ऐसे राजनेता सनातन का वास्तविक रूप नहीं जानते। ऐसे नेताओं को भारतीय दर्शन के मूल तत्वों का अध्ययन करना चाहिए और इसके लिए तमिलनाडु के ही निवासी डॉ. राधाकृष्णन के ग्रन्थ पढ़ने चाहिए।सनातन धर्म किसी राजनीतिक दल के प्रस्ताव से अस्तित्व में नहीं आया है। यह सदा से है। विश्व इतिहास का कोई कालखण्ड सनातन विहीन नहीं रहा। यह रिलीजन नहीं है। मजहब भी नहीं है और पंथ भी नहीं है। सनातन अजर-अमर धारणा है। सनातन का कभी जन्म नहीं होता। इसका कभी अवसान नहीं होता। सृष्टि की पहली किरण के साथ सत्य का जन्म हुआ। तब न रात्रि थी न दिन था। न आकाश था। ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के अनुसार तब केवल ह्यवहह्य था। आखिरकार ह्यवहह्य क्या था? ऋषि बताते हैं कि ह्यवहह्य बिना वायु के स्वयं अपनी क्षमता के बल पर सांस ले रहा था। ह्यवहह्य और कुछ नहीं सनातन ही था। प्रकृति प्रकट होती है। फिर व्यक्त से अव्यक्त होती है। सनातन तब भी रहता है। सनातन सदा से है। सदा रहता है। इसका न आदि है न अंत। सनातन का मूल अर्थ है जो सदा से है सदा रहता है। दुनिया में अनेक आस्थाएं हैं। अनेक विचार हैं। अनेक सामाजिक व्यवस्थाएं हैं लेकिन सनातन जैसा अनुभव विश्व इतिहास में कहीं नहीं मिलता। ऋग्वेद में सनातन व्यवस्था का नाम ऋत है। ऋत ब्रह्माण्ड की व्यवस्था का संविधान है। अस्तित्व का अणु परमाणु सुसंगत व्यवस्था में गतिशील है। सनातन से पृथक कुछ भी नहीं। अग्नि का गुण ताप है। वायु का गुण स्पर्श है। जल का गुण रस है। प्रकृति के सभी महाभूतों की गतिविधि ब्रह्माण्ड की व्यवस्था में बंधी हुई है। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है, ह्वईश्वर भी इस व्यवस्था में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

प्रकृति प्रत्यक्ष सत्य है। उसकी शक्तियाँ भी प्रत्यक्ष सत्य हैं और नियम भी प्रत्यक्ष सत्य हैं। यही सत्य मानव समाज में भी दिखाई पड़ता है। तब प्रकृति की नियमबद्ध गतिविधि और मनुष्य का सदाचरण एक साथ विचारणीय हो जाते हैं। नियमों का पालन करना कर्तव्य है। यही धर्म भी है। ऋग्वेद (2.8.3) में कहते हैं, ह्यह्यअग्नि के नियमों का कोई उल्लंघन नहीं कर सकता।ह्यह्य नदियाँ ऊपर से नीचे समुद्र की ओर बहती हैं। यह प्रकृति का नियम है और जल का धर्म। नदियाँ ऋतावरी कही गई हैं। ऋत अर्थात प्रकृति के संविधान की पालनकर्ता। सूर्य के लिए कहते हैं, ह्यह्यउसके नियम को इन्द्र, वरुण, रूद्र आदि देवता नहीं तोड़ सकते। (2.38.9) ऋषि वायु से कहते हैं, ह्यह्यनियमों के अनुसार चलने वाले मरुद्गण और सरस्वती हमारी स्तुतियाँ सुनें।ह्यह्य सभी दिव्य शक्तियाँ प्रकृति के नियमों का पालन करती हैं। नियम तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं है।

प्रकृति नियम आबद्ध है। यह अस्तित्व का नियम है। इसे ऋत कहते हैं। ऋत और धर्म पर्यायवाची हैं। वैदिककाल में मान्यता थी कि नियम पालन कराना वरुण देवता का कर्तव्य है। ऋग्वेद के अनुसार ह्यह्ययह काम भी वह धमार्नुसार ही करते हैं। सूर्य भी धमार्नुसार संसार को प्रकाश से भरते हैं। सूर्योदय, सूर्यास्त, दिन के बाद रात, रात के बाद दिन सब नियमानुसार हैं। सारे नियम सत्य हैं। सनातन हैं।ह्यह्य ऋत, सत्य और धर्म एक जैसे हैं। भारतीय परम्परा में विष्णु बड़े देवता हैं। मान्यता है कि वे अवतार लेते हैं लेकिन विष्णु के लिए भी धर्म पालन अनिवार्य है। ऋग्वेद के अनुसार ह्यह्यउन्होंने तीन पग चलकर ब्रह्माण्ड नाप दिया था।ह्यह्य यह कार्य आश्चर्यजनक था। ऋग्वेद के अनुसार उन्होंने यह कार्य धमार्नुसार पूरा किया। ग्रिफ्थ ने धर्म का अनुवाद ह्यलॉजह्य (विधि) किया है। सूर्य भी नियमों में बंधे हुए हैं। एक सुसंगत ब्रह्मांडीय व्यवस्था के अधीन उदय और अस्त होते हैं। बृहदारण्यक उपनिषद में कहते हैं, ह्यह्यजिससे सूर्य उदय अस्त होता है, उस धर्म को देवताओं ने बनाया है।ह्यह्य प्रकृति की शक्तियां नियम बंधन के अनुशासन में हैं। मनुष्यों को भी तद्नुसार धर्म-नियमों का पालन करना चाहिए। सनातन धर्म का विकास प्राकृतिक नियमों के विस्तार से हुआ। सनातन धर्म रिलीजन या मजहब नहीं है। रिलीजन और मजहब में एक ईश्वर और एक देवदूत की आस्था है। प्रत्येक मजहब या रिलीजन का एक पवित्र ग्रंथ है। उनके सत्य अंतिम हैं। उन पर कोई तर्क और जिज्ञासा नहीं हो सकती लेकिन सनातन धर्म परम्परा में ईश्वर भी प्रश्न और जिज्ञासा के दायरे में आते हैं। धर्म-नियम धारण करना सभी तत्वों का धर्म है। बृहदारण्यक उपनिषद में कहते हैं, ह्यह्यधर्म सभी भूतों का मधु-सार है और सभी भूत धर्म का मधु-सार हैं।ह्यह्य यह सनातन है। तमिलनाडु के निवासी कम्बन ने रामकथा लिखी और सनातन धर्म को प्रतिष्ठा दी। इसी राज्य के निवासी राजगोपालाचारी ने भारतीय संस्कृति के लिए अविस्मरणीय काम किया। उन्होंने सभी वर्णों के मंदिर प्रवेश की मुहिम चलाई। तमिलनाडु के ही विश्वविख्यात दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वव्यापी बनाया। उन्होंने रूस यात्रा में स्टालिन को समझाया कि रक्तपात बुरा है। इसी भेंट में स्टालिन ने उनसे पूछा कि भारत की लोकप्रिय भाषा कौन-सी है? राधाकृष्णन ने हिन्दी बताया। भारत के राष्ट्रपति रहे परमाणु वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम भी तमिलनाडु के थे। उन्होंने भारत की प्रतिष्ठा सारी दुनिया में पहुँचाई। अद्वैत दर्शन में भक्ति भाव भरने वाले रामानुजाचार्य भी यहीं के थे। आश्चर्य है कि स्टालिन और उनके सहयोगियों के वक्तव्यों ने ऐसे तमाम महानुभावों की सांस्कृतिक परम्परा और योगदान को भी आहत किया है। सनातन धर्म में आज्ञासूचक संहिता नहीं है। 6 प्राचीन दर्शन व लोकायत जैसे नास्तिक दर्शन भी सनातन धर्म का हिस्सा हैं। यहाँ सुसंगत दार्शनिक दृष्टिकोण है। सनातन धर्म किसी देवदूत की उद्घोषणा नहीं है। स्टालिन के अपने निहित स्वार्थ हो सकते हैं। बेशक उनके स्वार्थ हैं। वे सनातन धर्म का खात्मा चाहते हैं लेकिन वे स्वयं जानते हैं कि सनातन की समाप्ति असंभव काम है। जिसका जन्म होता है उसकी मृत्यु भी होती है। सनातन धर्म अजन्मा है। इसका न कोई आदि है न कोई अंत।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

प्रधानमंत्री के अनुरोध में छिपा सबका हित

मेट्रो और रोडवेज बसों, सिटी बसों जैसे सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल अधिक करें। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी कुछ इसी तरह का आग्रह किया है। उन्होंने अधिकारियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने की दिशा में काम करें। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी उन्होंने लगभग इसी तरह का अनुरोध किया है।

सियाराम पांडेय शांत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका-ईरान युद्ध के मद्देनजर कुछ बड़े और कड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया है कि वे वाहनों के लिए जरूरत के अनुरूप डीजल-पेट्रोल का सीमित उपयोग करें और कम-से-कम एक साल तक सोना न खरीदें। सार्वजनिक वाहनों से यात्रा करें। मेट्रो और रोडवेज बसों, सिटी बसों जैसे सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल अधिक करें। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी कुछ इसी तरह का आग्रह किया है। उन्होंने अधिकारियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने की दिशा में काम करें। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी उन्होंने लगभग इसी तरह का अनुरोध किया है। एक बार नहीं, अनेक बार किया है ताकि कोई उनके अनुरोध को हल्के में न ले। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस दिशा में काम करना आरंभ भी कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने अपने काफिले के वाहनों की तादाद घटाई तो ह्यमहाजनो येन गता स पंथाःह्ल की रीति-नीति पर काम करते हुए उनके मंत्रियों ने भी उस पर अमल प्रारंभ कर दिया है। गृहमंत्री, रक्षामंत्री ने भी अपने काफिले की गाड़ियों की संख्या घटा दी है। भाजपा शासित राज्यों उत्तर, प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और असम आदि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के काफिलों में भी वाहनों की संख्या घट गई है। एकाध न्यायाधीश तो साइकिल चलाकर न्यायालय पहुंचे हैं। इन संदेशों के गहरे निहितार्थ हैं, जिन्हें समझे जाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री का देशवासियों से आग्रह है कि संभव हो तो कुछ समय के लिए अपनी विदेश यात्रा टाल दें। इससे जहां देश के विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक सुरक्षा को मजबूती मिलेगी बल्कि विकसित भारत के उसके सपनों के पंख कमजोर नहीं होंगे। इसके विपरीत विपक्ष का तर्क है कि सरकार को यह कदम पहले ही उठाना चाहिए था। आज की तिथि में ऐसा करने का क्या औचित्य है? उनका सवाल कुछ हद तक वाजिब भी है लेकिन यह समय सवाल पूछने का नहीं, अनुरोध की गंभीरता को समझने का है।

मध्य-पूर्व संकट के मद्देनजर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री द्वारा उठाया गया यह कदम बेहद मायनेखेज है। भले ही यह निर्णय देर से लिया गया हो लेकिन 'जब जागे तभी सबेरा।' इस निर्णय को दिखावे का विषय नहीं बनना चाहिए वरन देश के हर आम और खास नागरिक को इस दिशा में सोचना चाहिए और तदनुरूप कार्य व्यवहार करना चाहिए। वैसे भी जो राष्ट्र अर्थ संयम के सिद्धांतों का पालन नहीं करता, वह दुखी रहता है। आय और व्यय के बीच संतुलन तो होना ही चाहिए। इतने गंभीर विषय पर राजनीति करना देश को संकट के दलदल में झोंकने जैसा है? यह किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति तक साइकिल चलाकर अपने फार्म हाउस जाते रहे हैं फिर भारत में बेवजह राजनीतिक अहमन्यता का प्रदर्शन क्यों? दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देश के मुखिया को अगर ऊर्जा के समुचित इस्तेमाल की नसीहत देनी पड़ रही है तो इसका मतलब है कि खतरा बड़ा है और देशवासियों ने अपने विवेक से काम नहीं लिया तो पानी सिर से ऊपर बह सकता है। देश को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। अमेरिका-ईरान युद्ध का असर भारत ही नहीं, दुनिया के तमाम देशों पर पड़ा है, यह किसी से छिपा नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से भारतीय तेल टैंकरों का आना कठिन हो रहा है। दूसरी ओर अमेरिका ने भी नाकेबंदी कर रखी है। गनीमत थी कि भारत के कुछ टैंकर आ गए थे लेकिन अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो भारत के पास जो भी ईंधन है, उसी से काम चलाना होगा। ऐसे में संयम बरतने के अलावा कोई अन्य विकल्प है भी नहीं। वैसे भी ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध समाप्त होने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। युद्ध विराम के जुबानी प्रपंच के बीच दोनों देशों ने ऐ दूसरे पर टपुट हमले भी किए हैं, उसे युद्ध नहीं तो और क्या कहा जाएगा? अमेरिका और ईरान की अपनी-अपनी नाकेबंदी के वैश्विक प्रभाव भी किसी से छिपे नहीं हैं। अमेरिका में पेट्रोल का वैसे तो कोई संकट नहीं है लेकिन वहां भी पेट्रोल की कीमत में 7.5 प्रतिशत का इजाफा हो गया है। ब्रिटेन में डीजल की कीमत 33 प्रतिशत बढ़ गई हैं। घर को उष्ण बनाए रखने के लिए एलपीजी का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। दक्षिण कोरिया में नहाने में शॉवर के न्यूनतम उपयोग, सप्ताहांत में ही वाशिंग मशीन चलाने और सरकारी दफ्तरों में लिफ्ट बंद करने जैसी कुछ व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। चीन, फ्रांस, स्पेन, इटली जैसे देशों में भी पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम बढ़ा दिए गए हैं। भारत में अभी पेट्रोल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करनी पड़ गई है। अमेरिका और ईरान की तनातनी कम नहीं हुई तो अन्य क्षेत्रों में भी मुद्रासफीति की सुरसा अपने मुंह फैला सकती है। दरअसल, इस निर्णय को सरकार की विवशता के तौर पर ही लिया जाना चाहिए। इसमें जनता को बेवजह परेशान करने की मानसिकता तलाशना, वास्तविकता से मुंह मोड़ने जैसा है। प्रधानमंत्री मोदी की इस बात में दम है कि भारत में कच्चे तेल के बड़े कुएं न होने की वजह से तेल आयात करना हमारी विवशता है। युद्ध के कारण और कच्चा तेल लगातार महंगा होने के चलते भारत की तेल कंपनियों को 30 हजार करोड़ रुपये प्रतिमाह नुकसान सर्वविदित है। हर रोज का औसत घाटा 1600 करोड़ रुपये के आसपास है। सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर जो टैक्स कम किया था, उससे ही सरकार को हर माह 14 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। सच तो यह है कि भारत विदेश से 93 लाख करोड़ रुपये का डीजल-पेट्रोल और गैस का आयात कर रहा है। देश का वार्षिक व्यापार घाटा भी 11.3 लाख करोड़ रुपये का है।

इस सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी टैरिफ और अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते भारत के आर्थिक और कारोबारी हालात बिगड़े हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का संयमित खर्च का अनुरोध काबिलेगौर भी है और जरूरत के अनुरूप भी है। देश का मुखिया होने के नाते अपनों को समय रहते सचेत करने की उनकी जिम्मेदारी भी बनती है। इसे अन्यथा लिया जाना या फिर बात का बतंगड़ बनाना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि देशवासी अपने भोजन में तेल की मात्रा घटाएं। ऐसा करने से वे स्वस्थ भी रहेंगे और देश पर भी खाद्य तेल आयात करने का बोझ भी कम होगा। भारत के दर्जन भर जहाज, टैंकर फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य के पास समुद्र में फंसे हैं। हमलों में भारत के कुछ नाविक मारे गये हैं और कुछ घायल भी हुए हैं। ईरान और अमेरिका धमकियां दे रहे हैं और होर्मुज जलमार्ग का नाजायज फायदा उठा रहे हैं। रही बात सोने के आयात की तो भारत ने 2025-26 में 6.40 लाख करोड़ रुपये का सोना आयात किया था। विदेश यात्राओं पर भारतीय नागरिक लगभग 3.65 लाख करोड़ रुपये हर वर्ष खर्च करते हैं। इन पर थोड़ी भी रोक लगेगी तो भी विदेशी मुद्रा तो बचेगी ही। 2025-26 में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 10. 35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। चूंकि ईरान युद्ध के कारण कच्चा तेल 50 फीसदी महंगा हो गया है, लिहाजा अब हमें तेल के आयात पर करीब 17 लाख करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे। यह बोझ देश की अर्थव्यवस्था पर ही पड़ेगा। विश्व बैंक भी मानता है कि युद्ध के कारण 2026 में ऊर्जा की कीमतें 24 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की अपील पर अमल करने में ही देश का कल्याण है।

पीपल के नीचे जलाएं एक दीपक, खुल जाएंगे बंद किस्मत के दरवाजे

शनि जयंती मनाएगी जाएगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि देव मेहनती और सच्चे लोगों के रक्षक हैं। इसीलिए जिनकी कुंडली में शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या चल रही है, उनके लिए यह दिन कष्टों से राहत पाने का सबसे बड़ा अवसर होता है

शनि देव और पीपल का खास संबंध

शास्त्रों में बताया गया है कि पीपल के पेड़ की जड़ में शनि देव का वास होता है। इसीलिए शनि जयंती पर पीपल की पूजा करने से शनि देव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। ये उपाय न केवल आर्थिक तंगी और कर्ज से छुटकारा दिलाते हैं, बल्कि शत्रुओं के भय को भी दूर करते हैं।

शनि जयंती पर किए जाने वाले विशेष उपाय

जल अर्पित करें: सुबह स्नान के बाद पीपल की जड़ में कच्चा दूध, गंगाजल और साफ पानी चढ़ाएं। जल देते समय 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का 11 बार जाप करें। इससे जीवन में स्थिरता

आती है। सरसों के तेल का दीपक: शाम के समय पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। दीये में थोड़े काले तिल और एक सिक्का डाल दें, फिर पेड़ की 7 बार परिक्रमा करें। इससे विरोधियों पर जीत मिलती है। 108 परिक्रमा: शनि दोष या महादशा से मुक्ति के लिए पीपल की 108 बार परिक्रमा करें और साथ में 'ॐ नमः शिवाय' का जाप करें। यह उपाय आयु और स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। पत्तों पर मंत्र लिखें: पीपल के 11 पत्तों पर हल्दी से शनि देव का मंत्र लिखकर उन्हें पेड़ की जड़ में अर्पित कर दें। इससे धन संकट दूर होता है और अटके हुए काम पूरे होने लगते हैं। पितृ दोष से मुक्ति: पीपल की जड़ में तिल, गुड़ और एक सिक्का चढ़ाकर मौली बांधें। इससे पितृ दोष शांत होता है और आपके कर्मों का शुभ फल मिलने लगता है।

इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

शनि जयंती की पूजा करते समय कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। पीपल की पूजा आप सुबह या शाम कभी भी कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पेड़ को कोई नुकसान न पहुंचे। जो लोग इस दिन व्रत रख रहे हैं, वे फलाहार करें। साथ ही, अपनी सामर्थ्य के अनुसार गरीबों को दान जरूर दें, क्योंकि शनि देव दान और सेवा से जल्दी प्रसन्न होते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

किसानों को उनके हक और अधिकार से वंचित कर रही है सरकार : भाजपा

किसानों के मुद्दों को लेकर राज्यभर में धरना प्रदर्शन कर रही है पार्टी

संवाददाता

साहिबगंज/पतनाःभारतीय जनता पार्टी झारखंड सरकार के खिलाफ किसानों के मुद्दों को लेकर राज्यभर में धरना प्रदर्शन कर रही है जो 20 मई तक विभिन्न प्रखंड में आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में बुधवार को पतना प्रखंड मुख्यालय परिसर में भाजपा के बैनर तले पतना प्रखंड मंडल अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल की अध्यक्षता में एकदिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसानो के साथ अत्याचार नहीं सहेंगे, चुनावी वादों को याद करो याद करो, जैसे नारे लगाए। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल ने आह्वान करते हुए कहा हर जोर जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा जारी है किसान को अधिकार दिलाना अबकी हमारी बारी है। उन्होंने ये भी कहा कि जेएमएम और कॉंग्रेस पार्टी द्वारा चुनाव के समय किसानो और आम जनता से अपनी अपनी घोषणा पत्रों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वादे किए लेकिन चुनाव जीतकर सरकार बनते ही वादा खिलाफी पर उतर आए। केवल मैया सम्मान योजना का लॉलीपॉप दिखाकर किसानो और आम जनता के साथ धोखा किया,किसानों के साथ सौतेला व्यवहार भाजपा कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार पूरी तरह से बिफल साबित हो रही है,ना ही अपना वादा निभा पा रही है और न हीं सरकार की योजनाओं को गरीब और आम जनता तक पहुँचा पा रही है,जेएमएम और कांग्रेस केवल अपने कार्यकर्ताओं को लाभ पहुँचाने का में ब्यस्त है। आम जनता का काम कागजो तक ही सिमट कर रह जाता है लेकिन जनता इनके ऐसे व्यवहार को कभी माफ नहीं करेगी। चुनाव के समय किसानो से घोषणा पत्र के माध्यम से वादे किए गए 3200 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम मूल्य देने वन उत्पादों में एमएसपी में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने,कृषि उपकरण ,किफायती दरो में खाद बीज कृषि कार्य के लिए मुफ्त बिजली 1 रुपये प्रति पशुधन की दर से पशु बीमा1 रुपये प्रति डीसीमल फसल बीमा कृषि बैंक 450 रुपये सिलेण्डर इत्यादि जैसे वादे किए गए परन्तु सरकार बनने के बाद सारे वादें केवल घोषणा पत्रों में ही सिमट कर रह गई ।धरातल पर इसका कोई प्रभाव नहीं दिखाई दे रही है। किसान की परेशानियों को कम करने के बजाय सरकार ने उनके साथ सौतेला व्यवहार करने का काम किया है। प्रदर्शन के बाद भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल के नाम किसान हित में विभिन्न मांगों को लेकर पतना प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी को माँग पत्र सौंपा। कायर्क्रम में मुख्य रूप से भाजपा पतना प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल,भाजपा पूर्व जिला मंत्री कुष्माकर तिवारी,पूर्व उपाध्यक्ष ललित पासवान प्रखंड के उपाध्यक्ष सुंदरू माल्टो,मंत्री गीता उपाध्यक्ष सोनिया देवी, महिला मोर्चा अध्यक्ष रागिनी देवी ,युवा नेता विष्णु शाह और रविदास मरांडी, सूर्यकुमार माल्टो जेठ, हेमराम चेतन, हेमराम माझी, हेंब्रम एवं सभी पंचायत के संयोजक व कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

अपराध की इमारत पर चला कानून का बुल्डोजर, अवैध मिनी गन फैक्ट्री हुई जमींदोज

-8 मई रांगा थाना क्षेत्र के आमगाछी में अवैध मिनी गन फैक्ट्री से पुलिस ने बरामद किए थे हथियार व मशीनरी

संवाददाता

साहिबगंज/पतनाःकानून के हाथ लंबे ही नहीं मजबूत भी होते है और कानून के उसी मजबूत हाथ से बुधवार साहिबगंज पुलिस ने अपराधिक गतिविधि में चिन्हित रांगा थाना क्षेत्र के केंदुआ आमगाछी स्थित अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री की इमारत को को ध्वस्त कर जमीदोज कर दिया है। दरअसल बीते दिनों 8 मई को साहिबगज पुलिस एवं बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने इसी अवैध मिनी गन फैक्ट्री में छापेमारी कर अर्धनिर्मित हथियार एवं गन बनाने की विभिन्न सामग्री और मशीन बरामद की थी।जिसपर पुलिस ने कड़ी कार्यवाही की है। जिस मकान से अवैध हथियारों की खरीद बिक्री चलाई जा रही थी उस पर अब प्रसाशन ने जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर पूरी इमारत को जमीदोज कर दिया है।जानकारी के अनुसार पुलिसिया जाँच में सामने आई कि यह फैक्ट्री लंबे समय से इलाके में गुप्त रूप से संचालित की जा रही थी।और हथियार बनाकर अन्य पड़ोसी राज्यों जैसे बिहार बंगाल इत्यादि में सप्लाई की जा रही थी ,यहाँ छापेमारी करने से पहले पुलिस ने कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया था।जिसकी निशानदेही पर साहेबगंज पुलिस यहाँ पहुँची थी।जिसमें बिहार पुलिस भी संयुक्त रूप से मौजूद थी।उक्त अवैध मिनी गैन फैक्ट्री को जेसीबी बुल्डोजर चलाकर मकान के साथ बाउंड्री वॉल सहित पूर्ण रुओ से मकान को जमीदोज कर दिया है,ताकि पुनः किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधियां संचालित न हो सके।पुलिस की इस बड़ी कार्यवाही को देखने के लिए आस पास के स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई । पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधिक गतिविधियों और अवैध हथियार के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन का अभियान लगातार जारी रहेगा कानून व्यवस्था को तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बिल्कुल भी बक्शा नहीं जाएगा पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से स्थानीय लोग काफी प्रभावित हुए और उनका स्वागत किया क्योंकि हथियार बनाने की इस फैक्ट्री के कुलसी के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा का माहौल बना हुआ था फैक्ट्री के ध्वस्त होने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है हालांकि पुलिस मामले पर गंभीरता से जांच में जुटी हुई है।बिहार राज्य के मुंगेर का युवक हुआ था गिरफ्तारः इस मामले में झारखंड के साहिबगंज पुलिस और बिहार पुलिस की संयुक्त छापेमारी में बिहार के मुंगेर जिला अंतर्गत काशी बाजार थाना क्षेत्र के जमालपुर रोड के कौरा मैदान के रहने वाले परवेज इस्लाम पिता आशिक अली को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेजा था ।

उच्च स्तरीय बैठक में शैक्षणिक संरचना के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई विस्तृत चर्चा

संवाददाता

साहिबगंजः रांची में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज से संबंधित क्लस्टरिंग व्यवस्था विषय संचालन एवं शैक्षणिक संरचना के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विद्यार्थियों के हित क्षेत्रीय आवश्यकताओं और नई शिक्षा नीति एनईपी-2020 की बहुविषयक शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।इस संबंध में मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री झारखंड सरकार सुदिव्या कुमार सोनू उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री,

झारखंड सरकार प्रधान सचिव उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग राहुल पुरवार और विधायक राजमहल विधानसभा क्षेत्र के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया है।प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि बैठक अत्यंत सकारात्मक एवं सार्थक रही, जिसमें यह आश्वासन प्राप्त हुआ कि मॉडल कॉलेज राजमहल में सभी विषयों की पढ़ाई पूर्ववत महाविद्यालय परिसर में ही संचालित होती रहेगी। साथ ही भूगोल, संथाली एवं उर्दू जैसे महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई महाविद्यालय में प्रारंभ एवं सुनिश्चित किए जाने के निर्णय का भी उन्होंने स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय विशेष रूप से सुदूरवर्ती जनजातीय और शैक्षणिक रूप से वंचित क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण एवं बहुविषयक उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी तथा जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन को भी बल मिलेगा। श्री सिंह ने आगे कहा कि माननीय सरकार एवं जनप्रतिनिधियों के संवेदनशील नेतृत्व, दूरदर्शी सोच एवं छात्रहितैषी दृष्टिकोण से क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों अभिभावकों एवं शिक्षकों में नई आशा एवं विश्वास का संचार हुआ है। यह पहल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विस्तार सामाजिक समावेशन तथा शैक्षणिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।दो तरह के शिक्षा एक डिग्री प्राप्त करने के लिए दूसरा शोध नवाचार और चुनौती के समाधान के लिए शिक्षा देनी होगी ।अंत में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने महाविद्यालय परिवार की ओर से पुनः मुख्यमंत्री महोदय शिक्षा मंत्री महोदय, प्रधान सचिव महोदय एवं विधायक महोदय के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह निर्णय विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य व क्षेत्र में उच्च शिक्षा के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी महाविद्यालय को सरकार व जन प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन एवं सहयोग निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

युवा संवाद चौपाल कार्यक्रम में संगठन विस्तार को लेकर बनाई गई रणनीति

संवाददाता

साहिबगंजःझारखंड प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष रंजन कुमार के द्वारा चलाए जा रहे युवा संवाद चौपाल कार्यक्रम के तहत साहिबगंज परिसदन मे युवा राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष मो सद्दाम हुसैन की अध्यक्षता में युवा संवाद चोपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार,झारखंड प्रदेश सह प्रभारी युवा राष्ट्रीय जनता दल के क्षितिज मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवेश प्रवक्ता कमलेश यादव मौजूद थे। कार्यक्रम में मंच संचालन मुन्ना यादव ने किया। जिला अध्यक्ष के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदेश महासचिव सह प्रभारी सहित सभी पदाधिकारी को पुष्प माला देकर स्वागत किया। कार्यक्रम मे जिला राजद के पदाधिकारी के आलवा सभी प्रखंड अध्यक्ष ने संगठन को लेकर अपनी अपनी बातों को रखा गया,वही युवा संवाद चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को युवा राष्ट्रीय जनता दल से जोड़ने युवाओं को मजबूत बनाने युवाओं के माध्यम से राष्ट्रीय जनता दल की नीति सिद्धांतों को घर-घर जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।मौके पर राजद के जिला उपाध्यक्ष संजय यादव,दिनेश यादव,भरत यादव,आशुतोष रंजन,दीपक कुमार यादव,रामावतार सिंह,सुशील कुमार यादव,प्रकाश कुमार,उत्तम कुमार यादव,शैलेश मिश्रा,अमन यादव,वीरेन्द यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

पत्रकार को पितृशोक

साहिबगंजः एक अखबार के पत्रकार सदर प्रखंड के निवासी मो काजू के पिता हाजी मोहम्मद मुस्ताक अहमद का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मुश्ताक अहमद वन परिसर पदाधिकारी पद से 2001 में सेवानिवृत हुए थे। मुश्ताक अहमद ने लंबी बीमारी के बाद बुधवार को अपने घर पर अपराह्न 3:30 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन से पत्रकारों में शोक व्याप्त है। जिले भर के पत्रकारों ने उनके निधन पर दुख जताते हुए शोक संतप्त मो काजू व उनके परिवार को दुख सहने की कामना की है।

छात्र विरोधी नीति के खिलाफ एबीभीपी का उग्र प्रदर्शन

संवाददाता

साहिबगंजःअखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, साहिबगंज द्वारा झारखंड सरकार की छात्र-विरोधी आरइएसटीआरयुसीटीयुआरआईएन-ाजी और सीएलयुएसटीइआर एसवाइएसटीइएम नीति के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। यह प्रदर्शन साहिबगंज महाविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं एबीभीपी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान परिषद कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए छात्र हितों की रक्षा की मांग उठाई।धरना-प्रदर्शन से पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं एवं छात्रों द्वारा साहिबगंज स्टेशन चौक से साहिबगंज महाविद्यालय तक पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने छात्र विरोधी नीति वापस लो सीएलयुएसटइआर एसवाइएसटीइएम नहीं चलेगा छात्र हितों के साथ खिलवाड़ बंद करो जैसे नारों के साथ सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पूरे मार्च के दौरान छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिला। यह आंदोलन केवल साहिबगंज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश के 24 जिलों में एक साथ व्यापक धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार पर उच्च शिक्षा व्यवस्था को अव्यवस्थित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की यह नई नीति छात्रों के भविष्य को अंधकार की ओर धकेलने वाली है। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहिबगंज विभाग संयोजक संजय दादा ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह एवं प्रदेश एसएफएस सह-संयोजक गौरव कुमार सुमन उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए संजय दादा ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा लागू किया जा रहा आरइएसटीआरयूसीटीयूआरआईएन-ाजी व सीएलयुएसटीइआर एसवाइएसटीइएम पूर्णतः छात्र-विरोधी एवं अव्यवहारिक निर्णय है। इस नीति के तहत विद्यार्थियों को एक ही विषय की पढ़ाई के लिए अलग-अलग महाविद्यालयों में जाना पड़ेगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई छात्र-छात्राएं ऐसे परिवारों से आते हैं जिनके लिए प्रतिदिन दूसरे महाविद्यालय तक आना-जाना संभव नहीं है। सरकार की यह नीति विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने के साथ-साथ उनकी पढ़ाई को भी प्रभावित करेगी। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी परिषद किसी भी परिस्थिति में छात्रों के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि राज्य सरकार इस नीति को अविलंब वापस नहीं लेती है, तो विद्यार्थी परिषद सड़क से लेकर सदन तक चरणबद्ध एवं उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। आने वाले समय में पूरे प्रदेश में व्यापक छात्र आंदोलन खड़ा किया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय लगातार छात्रों पर अव्यवहारिक प्रयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी संसाधनों की समस्या एवं छात्रों की मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन सरकार छात्र को अलग-अलग कॉलेजों में भटकाने वाली व्यवस्था लागू करने में लगी हुई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्र हितों की आवाज रही है और आगे भी हर अन्यायपूर्ण नीति के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करती रहेगी। प्रदेश एसएफएस सह-संयोजक गौरव कुमार सुमन ने कहा कि यह नीति विशेष रूप से ग्रामीण व गरीब विद्यार्थियों के लिए अत्यंत घातक सिद्ध होगी। जिन छात्रों के पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं हैं। उनके लिए प्रतिदिन अलग-अलग महाविद्यालयों तक पहुँचना कठिन हो जाएगा। इससे उच्च शिक्षा में छात्रों की भागीदारी प्रभावित होगी तथा कई विद्यार्थियों को पढ़ाई छोड़ने तक की नौबत आ सकती है। उन्होंने सरकार से छात्र हित में तत्काल इस नीति को वापस लेने की मांग की।

धरना-प्रदर्शन के दौरान एबीभीपी कार्यकर्ताओं ने छात्र विरोधी नीति वापस लो सीएलयुएसटइआर एसवाइएसटीइएम नहीं चलेगा छात्र हितों के साथ खिलवाड़ बंद करो जैसे नारों के साथ जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश छात्रा सह-संयोजक निधि सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, जिला केंद्र नगर मंत्री चंदन कुमार, तालझारी इकाई नगर मंत्री सौरव कुमार, नगर सह मंत्री लक्ष्मी कुमारी, आशीष कुमार, सुहानी कुमारी, मोनिका कुमारी, आरती एक्का, बेबी कुमारी, भूमि कुमारी, कंचन कुमारी, पायल कुमारी, मौसमी कुमारी, आस्था कुमारी, माही कुमारी, नीलम कुमारी, अंजली कुमारी, गौरव, निखिल, सूरज, विशाल कुमार, अमन भगत, कुंदन कुमार,बादल कुमार, आशीष कुमार, गौरव कुमार, शिवम कुमार, आलोक ठाकुर, सन्नी सिंह, हीराकांत प्रसाद, पियूष उपाध्याय, ऋतिक उपाध्याय, अभिषेक ठाकुर, दानी कुमार, नंदू रजक, प्रेम कुमार, पवन कुमार,निखिल राज, रोशन दत्ता,विजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

डिस्काउंट नीति के विरोध में दवा दुकानों में दिखा बन्दी का असर , बंद रही 700 दवा दुकानें

बरहरवाः ई फामेर्सी और कारपोरेट कंपनियों की दीप डिस्काउंट नीति के विरोध में बुधवार को ऑल इंडिया ऑगेनाइजेशन केमिस्ट एंड ड्रेजेस्ट के आह्वान पर देशव्यापी बंदी को साहिबगंज केमिस्ट एंड ड्रजिस्ट एसोसिएशन ने पूर्ण सहयोग दिया। बुधवार को साहिबगंज जिले के सभी प्रखंड के दवा दुकानदार इस देशव्यापी बंदी को पूर्ण समर्थन देकर अपने-अपने प्रतिष्ठान को सात बंद रखा।इस संबंध में संगठन के सचिव कृष्णा भगत ने बताया कि एक दिवसीय देशव्यापी बंदी बुलाने का मुख्य उद्देश्य ई फामेर्सी के द्वारा नकली प्रिपरेशन के नशीली दवा और नकली दवा धरलले से ऑनलाइन के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही है।जिससे लोगों को स्वास्थ्य एवं धन दोनों की हानी पहुंच रही है।संगठन का मुख्य उद्देश्य है कि इस तरह की कारोबार बंद होना चाहिए।उन्होंने बताया कि साहिबगंज जिला में लगभग 700 दवा दुकान बंद रहे।देशब्यापी इस बंदी के बाद भी अगर विचार नहीं किया गया तो आगे भी आंदोलन की भब्य रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस दौरान दवा विक्रेताओं ने जमकर नारेबाजी भी की।मौके पर संयुक्त सचिव महेश अग्रवाल सुनील महतो

किसानों के हित में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रखंड कार्यालय परिसर में दिया धरना

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

साहिबगंजः-सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें राजमहल पूर्व विधायक अनंत ओझा शामिल हुए। किसानों के हित में विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम बीडीओ को ज्ञापन सौंपा।भूमि का रजिस्ट्री व मोटेशन कार्य चालू हो,दियारा क्षेत्र में कटाई कार्य को पूर्ण रूप से सुरक्षा प्रदान करे,बिन मौसम बरसात में किसानों के फसल क्षतिपूर्ति की लाभ दी जाए,धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3200 रुपया क्विंटल दिया ' जाए,किसानों को सब्सिडी पर खाद बीज कृषि उपकरण समय पर दिया जाए,सिंचाई की व्यवस्था की जाए, निःशुल्क बिजली दी जाए,निर्बाध विद्युत दिया जाए और 450 रुपए प्रति गैस सिलेंडर दिया जाए,कोल्ड स्टोरेज व प्रोसेसिंग इकाई बैठाई जाए सहित अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा।मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी,धर्मेंद्र कुमार,मनोज कुमार यादव, चांदनी देवी,श्वेता श्रीवास्तव, राम प्रताप चौधरी,ओम प्रकाश पांडे, सुधाकर यादव,विक्रम कुमार दास,विष्णु दयाल सिंह,मनोज चौधरी, गौतम पंडित, यशवंत कुमार पासवान, अरविंद कुमार सिंह,शुभम कुमार,अमरनाथ चौधरी, जितेंद्र महतो, पंकज चौधरी, संजय पटेल, सुमन मंडल, अरविंदो बॉस, जयकांत वर्मा, ममता कुमारी, ज्योति सिंह, राजू यादव, उदय कुमार, सिंधु पांडे, संयुक्त कुमारी, पशुपति प्रसाद गोंड, आलोक कुमार, सुमन मंडल,अभिषेक कुमार शर्मा सहित अन्य थे।

दमदार लुक में अभिनेत्री आई नजर

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'सिस्टम' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म सिस्टम का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सोनाक्षी एक सरकारी वकील नेहा राजवंश की भूमिका में हैं, जो ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर के साथ सत्ता और न्याय के बीच छिपी सच्चाई को उजागर करती हैं। 1 मिनट 59 सेकंड के ट्रेलर को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। इसकी शुरुआत एक जुनूनी युवा वकील नेहा (सोनाक्षी सिन्हा) से होती है। वह अपने पिता (आशुतोष गोवारिकर) की तरफ से मिली एक मुश्किल चुनौती को स्वीकार करती है ताकि वह उनकी फर्म में पार्टनरशिप की हकदार बन सके, लेकिन इस चुनौती को पूरा करना इतना आसान भी नहीं होता है, जिसके लिए वह सारिका (ज्योतिका) को अपने साथ शामिल करती है। वह एक तेज-तर्रार कोर्टरूम स्टेनोग्राफर है, जिसके मन में कुछ इरादे छिपे हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, कोर्टरूम की जोरदार लड़ाइयों, उलझे हुए रिश्तों और कुछ दमदार पलों की एक तेज-तर्रार झलक देखने को मिलती है, जहां पर अमीरी के शोर में गरीबी की आवाज खो जाती है। फिल्म का निर्देशन और सह-लेखन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया। उनका मानना है कि 'सिस्टम' जैसी तमाम कहानियां हमारे आस-पास ही होती है, लेकिन लोगों के सामने नहीं आ पाती हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि हमारे आस-पास अनगिनत कहानियां मौजूद हैं, लेकिन उन्हें स्क्रीन पर पूरी सच्चाई और क्रिएटिविटी के साथ उतारना मुश्किल काम है। मुझे खुद को चुनौती देना पसंद है, और शायद इसीलिए मैंने 'सिस्टम' बनाई है।

केकेआर से मिली हार के बाद हार्दिक पंड्या बोले -

अगर मैं या तिलक थोड़ी देर और टिकते तो मैच जीत सकते थे

एजेंसी

कोलकाता : ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार के बाद माना कि उनकी टीम लगभग 20 रन कम बना सकी। हार्दिक का मानना है कि अगर वह या तिलक वर्मा में से कोई एक बल्लेबाज थोड़ी देर और क्रीज पर टिक जाता, तो मुंबई के पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। मुंबई इंडियंस की टीम पावरप्ले में ही 46 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी थी। पूरी पारी में टीम की आठ साझेदारियों में से छह 20 रन से कम की रहीं। मुंबई ने 147 रन बनाए, जिसे केकेआर ने सात गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा,।हम लगभग 20 रन पीछे रह गए। पावरप्ले में हमने काफी विकेट गंवा दिए थे। अगर तिलक वर्मा या मैं थोड़ा और समय तक बल्लेबाजी करते और एक-दो अच्छी साझेदारियां हो जातीं, तो अतिरिक्त 15-20 रन मिल सकते थे। तब हमारे पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता।ह्व

हार्दिक और तिलक दोनों ही मध्य ओवरों में धीमी बल्लेबाजी करते नजर आए। हार्दिक ने 27 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली। आईपीएल इतिहास में यह उन पारियों में सबसे खराब स्ट्राइक रेट में से एक रहा, जब नंबर 5 और 6 के बल्लेबाजों ने कम से कम 20-20 गेंदें खेली हों। कोलकाता की पिच को लेकर हार्दिक ने कहा कि उन्हें ऐसी विकेट पर खेलना पसंद है, जहां गेंदबाजों को भी मदद मिले।

उन्होंने कहा,।मुझे ऐसी विकेट पर खेलने में कोई दिक्कत नहीं है, जहां गेंदबाजों को कुछ मदद मिलती हो। आईपीएल अब काफी बल्लेबाजों के अनुकूल हो गया है और गेंदबाज खुद को असहाय महसूस करते हैं। आज की विकेट पर गेंदबाजों को मदद मिली, जिससे बल्लेबाजों को भी अच्छी क्रिकेट खेलकर रन बनाने पड़े। मुझे ऐसी चुनौती पसंद है।ह्व

हालांकि कम स्कोर के बावजूद मुंबई की टीम मैच में वापसी कर सकती थी। केकेआर का स्कोर नौ ओवर में 73 रन पर 3 विकेट था, लेकिन इसके बाद मुंबई ने दो आसान कैच छोड़ दिए। इसका फायदा उठाते हुए रोवमैन पॉवेल और मनीष पांडेय ने 64 रन की मैच जिताऊ साझेदारी कर दी। फील्डिंग की गलतियों पर हार्दिक ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा,।मुझे नहीं पता कि फील्डिंग में क्या गलत हो रहा है। पूरे सीजन में हमारी फील्डिंग काफी खराब रही है। हमने बहुत कैच छोड़े हैं। अगर आप मैच जीतना चाहते हैं तो हर मौका पकड़ना जरूरी होता है, यहां तक कि आधे मौके भी। लेकिन जब आप ऐसे कैच छोड़ते हैं जो मैच बदल सकते हैं, तब आप हमेशा मुकाबले में पीछे रह जाते हैं।

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बोले आयुष्मान खुराना

अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटे अभिनेता ने फिल्मों पर सोशल मीडिया के पड़ने वाले असर को लेकर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आजकल ट्रेलर या टीजर रिलीज होते ही लोग आलोचना शुरू कर देते हैं, लेकिन अच्छी फिल्में हमेशा लोगों का दिल जीत लेती हैं। आयुष्मान खुराना ने बातचीत में अभिनेता रणवीर सिंह और आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण देते हुए कहा कि इसके फर्स्ट लुक और ट्रेलर को शुरुआत में काफी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं, लेकिन फिल्म रिलीज होने के बाद इसने लाखों दर्शकों का दिल जीत लिया। आयुष्मान ने कहा, 'हर एक्टर अपने करियर की शुरुआत में एक 'हनीमून पीरियड' से गुजरता है। आपको सबका प्यार मिलता है। लेकिन, कुछ सालों बाद, जब आप अपने करियर के शिखर पर पहुंच जाते हैं, तो आलोचना भी मिलती है। लेकिन लोग अंडरडॉग यानी संघर्षरत व्यक्ति का साथ देते हैं। जब आप संघर्ष से पार पा जाते हैं तो लोग आलोचना करने लगते हैं।'' उन्होंने आगे समझाया कि हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सभी से प्यार एक जैसा नहीं मिल सकता। पहले भी आलोचना होती थी, लेकिन अब सोशल मीडिया की वजह से वह सार्वजनिक हो गई है। पहले हम ऐसी बातें चाय की दुकान, सैलून या कोने में सुनते थे, अब सोशल मीडिया पर खुलकर चर्चा होती है। 'धुरंधर' के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, ''मुझे पर्सनली 'धुरंधर' का ट्रेलर बहुत पसंद आया था, लेकिन उसके आसपास बहुत ज्यादा नकारात्मकता थी।

मां श्वेता तिवारी नहीं देती करियर में दखल

फैसले हमेशा अपने दिल से लेती हूं : पलक तिवारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच आईएएनएस के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। बात करते हुए पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं। ' पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं।

वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।''

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया, बोलीं-

अब दिखावा नहीं, सिर्फ अर्थपूर्ण वाली फिल्मों की तलाश

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों। आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए।'' उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।'' बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आई।

सोनू निगम की लाइव परफॉर्मेंस के दौरान स्टेज पर कूदा जबरा फैन

सिंगर सोनू निगम कोल्हापुर में लाइव परफॉर्मेंस दे रहे थे। तभी एक जबरा फैन स्टेज पर कूद आया। इसके बाद जो सोनू निगम का रिएक्शन आया है, वो अब चर्चा का विषय बन गया है। सिंगर सोनू निगम के लाइव कॉन्सर्ट के दौरान एक फैन बीच में ही स्टेज पर आ गया। इसका वीडियो भी सिंगर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया, लेकिन जो उन्होंने कैप्शन लिखा, वो अब चर्चा का विषय बन गया है। सोनू का ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, सिंगर सोनू निगम कोल्हापुर में लाइव परफॉर्मेंस दे रहे थे। इस दौरान एक फैन बीच में ही स्टेज पर आ गया। फैन की ये हरकत देखकर सोनू थोड़ा असहज हो गए। फैन के इच्छा जाहिर करने पर उन्होंने उसे माइक दिया और गाने का मौका दिया, जिसके बाद सिक्योरिटी उसे ले गई।

पुरानी पहचान से पीछा छुड़ाकर बनीं बॉलीवुड की बड़ी स्टार

नर्स बनाना चाहती थीं सनी लियोनी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने फिल्मों, गानों और रियलिटी शोज के जरिए करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। हालांकि, उनकी जिंदगी का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी था, जब लोग उन्हें सिर्फ उनकी पुरानी पहचान से देखते थे, लेकिन सनी ने मेहनत और धैर्य के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह पक्की की। चमक-दमक की दुनिया में आने से पहले सनी का सपना नर्स बनने का था। वह मेडिकल फील्ड में जाकर लोगों की मदद करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें एक बिल्कुल अलग रास्ते पर ले गई। सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उनका जन्म कनाडा के ओंटारियो में एक सिख पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन में सनी काफी शरारती स्वभाव की थीं। उन्हें खेलकूद में काफी रुचि थी। परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा दी और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम उम्र से ही सनी लोगों की सेवा करना चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने नर्सिंग की पढ़ाई में रुचि दिखाई और मेडिकल फील्ड में करियर बनाने का सपना देखा। वह गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहती थीं। हालांकि जिंदगी ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सनी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने एक जर्मन बेकरी में वेट्रेस की नौकरी की। इसके अलावा, टैक्स और रिटायरमेंट फर्म में भी काम किया। इसी दौरान उनकी जिंदगी धीरे-धीरे ग्लैमर इंडस्ट्री की ओर बढ़ने लगी। मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें नई पहचान मिलने लगी।

दुगार्पुर में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की पहली प्रशासनिक बैठक सम्पन्न

एजेंसी

बर्दवान : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी गुरुवार को बर्दवान जिले के दुगार्पुर के सृजनी हॉल में अपनी पहली प्रशासनिक बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में पांच जिलों – पूर्व और पश्चिम बर्दवान, बीरभूम, बांकुड़ा और पुरुलिया के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह कोलकाता के चिनार पार्क स्थित अपने आवास से निकलकर सबसे पहले बेलूर मठ जाएंगे। वहां पूजा-अर्चना के बाद वे हावड़ा जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचेंगे और अधिकारियों के साथ औपचारिक मुलाकात करेंगे। इसके बाद दमदम एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा अंडाल एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

अंडाल एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद पार्टी कार्यकताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद सड़क मार्ग से वे दुगार्पुर स्थित सृजनी हॉल पहुंचेंगे, जहां दोपहर दो बजे से प्रशासनिक बैठक शुरू होगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में संबंधित पांच जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) और थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है और इसमें बाहरी लोगों व मीडिया के प्रवेश पर रोक रहेगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत करेंगे और फिर अंडाल एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा कोलकाता लौट जाएंगे। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर पुलिस और प्रशासनिक महकमे में खासा उत्साह देखा जा रहा है। हाल के दिनों में पुलिस के समर्थन में उनके बयानों के बाद अधिकारियों में सकारात्मक उम्मीद जगी है।

राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में क्षेत्रीय विकास और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को नई दिशा मिल सकती है।

मुख्यमंत्री साय आज करेंगे सुशासन तिहार-2026 का निरीक्षण

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज आज गुरुवार को सुशासन तिहार-2026 के तहत आयोजित कार्यक्रमों का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचकर आम लोगों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं के समाधान की स्थिति का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, शिकायतों और उनके निराकरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री संबंधित अधिकारियों को जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश देंगे। राज्य सरकार की प्राथमिकता योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह एवं प्रभावी बनाने पर रहेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

बलौदाबाजार में बायसन के हमले से एक ग्रामीण की मृत्यु, वन विभाग ने दी तत्काल सहायता

रायपुर : वन विकास निगम परियोजना परिक्षेत्र रवान अंतर्गत मंगलवार को तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए ग्रामीणों पर बायसन के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बलौदा बाजार की वन विभाग टीम एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी रवान द्वारा मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि 25,000 प्रदान की गई है। साथ ही शासन के प्रावधान अनुसार मृतक के परिवार को देय क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बायसन के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गये। इस घटना में ग्राम गजराडीह निवासी देवेन्द्र साहू (उम्र 45 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। घटना में घायल अन्य दो ग्रामीणों का निजी अस्पताल में उपचार जारी है। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने गुरुवार को बताया कि वन विभाग द्वारा लगातार ग्रामीणों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है तथा वन क्षेत्रों में सुरक्षा एवं सतर्कता बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वन क्षेत्रों में जाते समय सावधानी बरतें एवं वन विभाग के दिशा-निदेर्शों का पालन करें।

चलती कार में लगी आग, पिता पुत्र झुलसे

हाथरस : उत्तर प्रदेश के हाथरस जनपद में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चलती कार में अचानक आग लग गई। हादसे में कार सवार पिता-पुत्र गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, सादाबाद के मोहल्ला जैसवाल भूत हवेली निवासी अनेश कुलश्रेष्ठ अपने पुत्र आलोक कुलश्रेष्ठ के साथ नई कार से आगरा जा रहे थे। वे सिकंदरा स्थित शोरूम में कार की सर्विस कराने के लिए निकले थे। वे गांव मिढावली होते हुए कैलाश पुल मार्ग से गुजर रहे थे। जैसे ही उनकी कार पोलरा गांव के पास पहुंची, तभी अचानक उसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही पिता-पुत्र ने तुरंत कार से बाहर निकलकर जान बचाने की कोशिश की। हालांकि बाहर निकलने तक दोनों आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस चुके थे। घटना को देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस द्वारा दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादाबाद पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक लोगों की भीड़ लगी रही। सादाबाद थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड आग पर काबू कर लिया गया है। फिलहाल कार में आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है। इलाज के लिए उन्हें आगरा भेज दिया गया है।

बैगनडीह एनीकट निर्माण कार्य के लिए 4.13 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार के जल संसाधन विभाग द्वारा महासमुंद जिले के विकासखण्ड-बसना की बैगनडीह एनीकट निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 13 लाख 95 हजार रुपये स्वीकृत किए गए है। योजना के निर्माण से क्षेत्र में निस्तारी, पेयजल, भू-जल संवर्धन एवं किसानों द्वारा स्वयं के साधन से 50 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। योजना के निर्माण कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

तेज आंधी-बारिश से रेल सेवा प्रभावित, लोको पायलट की सतर्कता से रेल हादसा टला

जलपाईगुड़ी : जिले में गुरुवार तड़के आई तेज आंधी और बारिश के कारण रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई। इसी बीच एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब दीघा जाने वाली पहारिया एक्सप्रेस को लोको पायलट की सूझबूझ से समय रहते रोक लिया गया। रेल सूत्रों के अनुसार, यह ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) से रवाना होने से पहले हल्दीबाड़ी स्टेशन पर खड़ी थी। सुबह करीब साढ़े चार बजे ट्रेन एनजेपी की ओर रवाना हुई, लेकिन मंडलघाट स्टेशन के पास पहुंचते ही खराब मौसम की चपेट में आ गई। लोको पायलट आरपी शाह ने बताया कि उन्होंने दूर से ही रेलवे ट्रैक पर एक पेड़ गिरा हुआ देखा। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज आंधी के कारण एक विशाल बरगद के पेड़ की डाली ओवरहेड बिजली तारों पर गिर गई थी। इससे चिंगारियां निकलने लगीं और बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इस घटना के कारण हल्दीबाड़ी स्टेशन पर सुबह के समय रेल सेवा अस्त-व्यस्त हो गई। बामनहाट और बालुरघाट जाने वाली एक्सप्रेस और लोकल पैसेंजर ट्रेनें समय पर रवाना नहीं हो सकी, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने तेजी से ट्रैक और ओवरहेड तारों पर गिरे पेड़ और डालियों को हटाने का काम शुरू कर दिया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही स्थिति सामान्य कर दी जाएगी।

गोविंदपुरी में मां-बेटे की चाकू से हत्या, नकदी और जेवर गायब

नई दिल्ली : दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में गुरुवार तड़के मां-बेटे की हत्या से सनसनी फैल गई। बदमाशों ने घर में घुसकर 38 वर्षीय महिला और उसके 13 वर्षीय बेटे की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद घर से नकदी और जेवर भी गायब मिले हैं। पुलिस लूटपाट के बाद हत्या की आशंका के तहत मामले की जांच कर रही है। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार, आज तड़के करीब 1:11 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से गोविंदपुरी थाना पुलिस को गली नंबर-10, कालकाजी स्थित एक मकान में हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, थाना प्रभारी, सहायक पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता विष्णु साहू साप्ताहिक बाजारों में फल और सब्जी बेचने का काम करते हैं। वह बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे घर लौटे थे। उन्होंने देखा कि मकान का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। अंदर पहुंचने पर उनकी पत्नी शारदा साहू और 13 वर्षीय बेटे का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। दोनों के शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। मृतक बेटा सातवीं कक्षा का छात्र था। पुलिस जांच में घर की अलमारी से नकदी और जेवर गायब पाए गए हैं। इसके बाद पुलिस को आशंका है कि बदमाश लूटपाट के इरादे से घर में घुसे थे और विरोध करने पर मां-बेटे की हत्या कर दी। घटनास्थल पर अपराध जांच दल और विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

उत्तराखंड में हीट वेव का असर जारी, कई जिलों में लू का अलर्ट

देहरादून : उत्तराखंड में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग की ओर से राज्य के कई मैदानी जिलों में हीट वेव चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून की ओर से गुरुवार को जारी पूवार्नुमान के अनुसार हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर और देहरादून जिलों सहित उत्तरकाशी के समीपवर्ती क्षेत्रों में कहीं-कहीं ऊष्ण लहर चल सकती है। वहीं उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में हल्की बारिश, गर्जन तथा 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के मैदानी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया। देहरादून में अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिनों तक तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा, जबकि इसके बाद दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। पूवार्नुमान के अनुसार 21 से 26 मई तक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की वर्षा और गर्जन की संभावना बनी रहेगी। 22 मई को देहरादून, टिहरी और अल्मोड़ा जनपदों में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक हो सकती है। इसके अलावा राज्य के अधिकांश मैदानी क्षेत्रों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल, ऊधम सिंह नगर और देहरादून जिलों में अधिकतम तापमान 95 प्रतिशत से अधिक रिकॉर्ड किया गया, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भी तापमान सामान्य से अत्यधिक ऊपर बना हुआ है।

शराब तस्करों की कार बनी मौत का कारण, जदयू नेता व व्यवसायी मनोज कुमार की मौत

सुपौल : जिले के रतनपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। नेपाल से अवैध शराब लेकर भाग रहे तस्करों की तेज रफ्तार कार ने जदयू नेता और किराना व्यवसायी मनोज कुमार को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद नई बाजार रतनपुर इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस नेपाल से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप का पीछा कर रही थी। इसी दौरान शराब तस्करों की होंडा सिटी कार (लफ़-26इ 6782) अनियंत्रित हो गई। पहले कार सड़क पर जा रहे एक ट्रैक्टर से जा भिड़ी और फिर सड़क किनारे पैदल जा रहे मनोज कुमार को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर का अगला चक्का टूटकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।बताया जा रहा है कि मनोज कुमार अपनी पोती को स्कूल छोड़कर रतनपुरा चौक स्थित किराना दुकान खोलने जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें गंभीर हालत में रेफरल अस्पताल राघोपुर पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन हालत बिगड़ने पर हायर सेंटर रेफर करने की तैयारी के दौरान ही उनकी मौत हो गई।

देश में बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस हमलावर, रमेश बोले– आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के चलते देश में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों और महंगाई में आई बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि अब देश को आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत है। दरमेश ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि अब मोदी सरकार के समर्थक भी सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करने लगे हैं। महंगाई के अनुमान तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विकास दर के आकलन घट रहे हैं, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रबंधन इतना खराब हो गया है कि प्रधानमंत्री को उपभोक्ताओं से खपत कम करने की अपील करनी पड़ रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि निवेश का माहौल बेहद कमजोर है और निजी निवेश दर में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने इसके पीछे कई कारण गिनाए जिनमें वास्तविक मजदूरी का ठहराव, उपभोक्ता मांग की कमी, नीतिगत अस्थिरता और कर अधिकारियों की छापेमारी से पैदा हुआ भय, चीन से आयातित सस्ते माल की वजह से घरेलू उद्योग को नुकसान, सरकार समर्थित अधिग्रहणों से बढ़ती एकाधिकार प्रवृत्ति और कॉरपोरेट जगत को स्वतंत्र निवेश के बजाय राजनीतिक चंदे के जरिए लाभ कमाने की प्रवृत्ति शामिल है। रमेश ने कहा कि कॉरपोरेट भारत की कर दरें रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर पर हैं और उनकी आय रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, शेयर बाजार भी मजबूत दिख रहा है, लेकिन निवेश की गति गायब है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो कंपनियां निवेश करने की स्थिति में हैं वे देश से बाहर निवेश कर रही हैं। प्रधानमंत्री जनता को आश्वासन और उपदेश देने में व्यस्त हैं जबकि देश की आर्थिक नींव कमजोर हो रही है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के खिलाफ समिति ने शुरू की जांच

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के खिलाफ जांच के लिए गठित समिति ने विभिन्न कार्यालयों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। आज इस जांच समिति की पहली बैठक में पहले दस्तावेज और जानकारी एकत्र करने तथा उसके बाद गुरूंग से पूछताछ कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया है। समिति ने शेयर बोर्ड, जमीन खरीद से जुड़े मामले के लिए मालपोत कार्यालय और अस्वाभाविक लेनदेन से जुड़े आरोप के लिए बैंकों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। समिति आवश्यकता पड़ने पर अन्य कार्यालयों को भी पत्र भेज सकती है। मंत्री बनने के बाद संपत्ति विवरण सार्वजनिक होने के साथ ही गुरूंग विवादों में घिर गए थे। शुरूआत में उनके पास कानूनी सीमा से अधिक जमीन होने का खुलासा हुआ। हाल के दिनों में असामान्य तरीके से संपत्ति बढ़ाने के आरोपों से जुड़े विवरण भी सार्वजनिक हुए हैं।

जेल में बंद विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से जुड़ी कंपनी में संस्थापक शेयरधारक पाए जाने के बाद गुरूंग ने इस्तीफा दे दिया था। भट्ट को पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने गिरफ्तार कर जांच शुरू कर रखी है। पुलिस जांच के दायरे में आए व्यक्ति के साथ गृहमंत्री के संबंध सामने आने के बाद सार्वजनिक रूप से सवाल उठे थे। २७ मार्च को गृहमंत्री गुरूंग ने २२ अप्रैल को इस्तीफा दिया था। इसके बाद ११ मई को हुई मंत्रिपरिषद बैठक ने उच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश अच्युत प्रसाद भण्डारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की। इस जांच समिति में महालेखा नियंत्रक शोभाकान्त पौडेल और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के सह न्यायाधिवक्ता अच्युतमणि न्यौपाने सदस्य हैं। न्यौपाने ने कहा, ह्लशुरूआत में गुरूंग से जुड़े मामलों में संबंधित कार्यालयों को पत्र भेजकर दस्तावेज मंगाए गए हैं। शेयर, जमीन और बैंकिंग कारोबार से जुड़े विवरण हम मांग चुके हैं। दस्तावेज आने के बाद आगे अध्ययन और बयान लेने की प्रक्रिया शुरू होगी।ह्व

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार सेंसेक्स 239.47 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी का रूख कायम है। सेंसेक्स में 239 अंक और निफ्टी में 120अंक की तेजी है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई का सेंसेक्स 239.47 अंक यानी 0.32 फीसदी की उछाल के साथ 75,557.86 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 23,778.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी है। आज रुपया शुरूआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा, 61 पैसे की बढ़त के साथ 96.25 प्रति डॉलर पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 117.54 अंक यानी 0.16 फीसदी बढ़कर 75,318.39 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 41 अंक यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 23,659 के स्तर पर बंद हुआ था।

तमिलनाडु मंत्रिमंडल का विस्तार, 23 नए मंत्रियों ने ली शपथ 59 वर्ष बाद कांग्रेस को राज्य सरकार में मिला मंत्री पद

एजेंसी

चेन्नई : मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल ने 23 नए सदस्यों को मंत्री पद की शपथ दिलाई ली। इनमें टीवीके पार्टी के 21 और सहयोगी दल कांग्रेस के दो सदस्य हैं।इसके साथ ही राज्य में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 32 हो गई है। आज गिंडी स्थित राजभवन परिसर में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकार ने 23 नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन नए मंत्रियों में श्रीनाथ, विजयलक्ष्मी, रंजीतकुमार, विजय तमिझन पार्थिबन, कुमार, विनोद, राजीव, राजकुमार, रमेश, थेन्नारसु, कमली, कांतिराज, मदन राजा, जगदीस्वरी, राजेश कुमार, विजय बालाजी, लोकेश तमिझसेल्वन, विश्वनाथन, संपत कुमार, शरतकुमार, मारिया विल्सन, विग्नेश और मोहम्मद परवेज शामिल हैं। राज्यपाल ने सबसे पहले तूतीकोरिन विधायक और मुख्यमंत्री विजय के करीबी मित्र श्रीनाथ को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद कमली, विजयलक्ष्मी, विनोद, राजीव, रंजीतकुमार और विजय बालाजी सहित अन्य विधायकों ने मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इनमें राजेश कुमार और विश्वनाथन कांग्रेस के विधायक हैं। राज्य में 59 वर्षों बाद कांग्रेस के विधायकों को तमिलनाडु सरकार में मंत्री पद मिला है। विजय के मंत्रिमंडल में अनुसूचित जाति के साथ सदस्यों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में सात महिलाओं को भी शामिल किया गया है। इनमें कीर्तना, कमली, जगदीस्वरी और विजयलक्ष्मी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार लड़ने वाली तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) 108 सीटें जीतकर सबसे पार्टी बनी थी। इसके बाद टीवीके के नेता जोजेफ विजय ने कांग्रेस, वाम दलों, वीसीके और आईयूएमएल सहित सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाई थी। जोसेफ सी. विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ ली थी, उनके साथ 9 मंत्रियों ने भी पदभार संभाला था। अब विजय केमंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या 32 हो गई है। टीवीके पार्टी के सहयोगी दल आईयूएमएल और वीसीके के सदस्यों को फिलहाल मंत्रिमंडल मेंशामिल नहीं किया गया है। दोनों दलों के पास दो-दो विधायक हैं। माना जा रहा है कि इन दोनों सहयोगी दलों के सदस्यों को अगले विस्तार में शामिल किया जा सकता है।

जलवायु अनुकूल खेती और सुखाड़ प्रबंधन पर मंथन

खरीफ कार्यशाला में 600 किसानों को दिया गया वैज्ञानिक खेती का मंत्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर/ पलामू : जिले के पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति हॉल में जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला सह जलवायु अनुकूल कृषि एवं सुखाड़ प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी 21 प्रखंडों से लगभग 600 किसानों ने भाग लिया। इसके अलावा पैक्स एवं किसान उत्पादक संगठन(एफपीओ) के सचिव, अध्यक्ष और सदस्य किसान भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को बदलते जलवायु परिवेश के अनुरूप खेती की नई तकनीकों, जल संरक्षण उपायों तथा सुखाड़ जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे में किसानों को परंपरागत खेती के साथ आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से जल संरक्षण को प्राथमिकता देने, कम पानी में होने वाली वैकल्पिक फसलों की खेती को बढ़ावा देने तथा सुखाड़ की स्थिति में आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक उपायों का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाकर ही किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को टिकाऊ बनाया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान किसानों को खरीफ फसलों के बेहतर प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीकों, सूखा प्रभावित परिस्थितियों में खेती के विकल्प तथा कृषि से जुड़ी नवीन जानकारियों से अवगत कराया गया। किसानों ने भी कृषि विशेषज्ञों से संवाद कर खेती से संबंधित विभिन्न समस्याओं और समाधान पर चर्चा की। जिला स्तरीय इस आयोजन को किसानों के लिए उपयोगी बताते हुए कृषि क्षेत्र में नई सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना गया।

एनसीओआरडी के जिला स्तरीय समिति की बैठक में उपायुक्त ने कहा-

जिले में कहीं भी न हो अफीम की खेती

▸ सीओटीपीए अधिनियम के तहत हो कार्रवाई ▸ जिला के सभी दवा दुकानों में हो प्रतिबंधित कफ सीरप की जांच

विनय मिश्रा

लोहरदगा : उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में एनसीओआरडी की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई।

उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों व थाना प्रभारियों को सख्त निदेश दिया कि किसी भी परिस्थिति में किसी अंचल व थाना क्षेत्र में अफीम की खेती नहीं होनी चाहिए। अगर अफीम की खेती की सूचना प्राप्त होती है तो इसकी सूचना तुरंत वरीय पदाधिकारियों को दें। साथ ही, कड़ी कार्रवाई भी सुनिश्चित

करें। लगातार जांच अभियान चलाएं। उपायुक्त ने निदेश दिया कि शहरी क्षेत्र में नशापान के हॉट-स्पॉट को चिन्हित करते हुए जांच अभियान चलायें और कड़ी कार्रवाई की जाए।

विद्यालयों व महाविद्यालयों में चले जागरूकता अभियानः उपायुक्त ने अनुमण्डल पदाधिकारी व जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया कि मादक पदार्थों के सेवन से होनेवाले नुकसान व विभिन्न कानूनी कार्रवाईयों की जानकारी जिला के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को दी जाए। लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए ताकि आगामी पीढ़ी को नशे की लत से दूर रखा जा सके।

जिला औषधि निरीक्षक को निदेश दिया गया कि जिला के सभी दवा दुकानों में प्रतिबंधित कफ सीरप के बिक्री व भण्डारण की जांच होनी चाहिए। अगर कोई ऐसा कर रहे हैं तो संबंधित पर कार्रवाई की जाए। प्रतिमाह में दुकानों के जांच की संख्या बढ़ाएं।

जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को जिला में नियमित रूप से प्रतिबंधित पान मसालों के बिक्री व भण्डारण की जांच किये जाने, आर्थिक दण्ड लगाये जाने का भी निदेश दिया गया।

सिविल सर्जन लोहरदगा को सीओटीपीए अधिनियम के अंतर्गत स्कूल/कॉलेजों के आसपास सिगरेट व तंबाकू उत्पाद के बिक्री व भण्डारण करनेवाले दुकानदारों पर कार्रवाई व आर्थिक दण्ड लगाये जाने का निदेश दिया। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को भी अपने-अपने प्रखण्ड क्षेत्र में जांच अभियान चलाने का निदेश दिया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नियमित रूप से नशीले व मादक पदार्थों के सेवन के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने, नशामुक्त पंचायत के तहत कार्य करने का निदेश दिया गया।

कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को भी नगर परिषद क्षेत्र में नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाने का निदेश दिया गया। आज की बैठक में पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, डालसा सचिव मनोरंजन कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी आलोका कुमारी चौधरी,सामान्य शाखा प्रभारी पदाधिकारी अभिनीत सूरज, जिला औषधि निरीक्षण, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी समेत सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

समय बदला परिस्थितियां और माहौल भी बजाज कल भी था और आज भी

बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर हमारा बजाज ऐसे ही नहीं कहा जाता। कल भी यह ठोस टिकाऊ और विश्वास का प्रतीक था और आज भी है। गोड्डा जिला के सेवानिवृत्त प्रधान जिला न्यायाधीश देवेंद्र पाठक आज भी अपने पसंदीदा बजाज कंपनी के प्रिया स्कूटर बीआर-14 ए 1240 को लेकर सड़कों पर फरार्टेदार सवारी करते हैं तो आज भी ये लगता है कि बजाज का जमाना और विश्वास नहीं बदला शायद इसे ही कहते हैं

आईना वही रहता है
चेहरे बदल जाते हैं

जुगसलाई फायरिंग मामले में मनीष सिंह गिरोह के 6 अपराधी गिरफ्तार, 4 पिस्तौल बरामद

जमशेदपुरः जुगसलाई नगरपालिका कॉम्पलेक्स स्थित यूनिक कलेक्शन में हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने घाघीडीह जेल में बंद शातिर बदमाश मनीष सिंह गिरोह के छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें जुगसलाई गौशाला नाला रोड सफीगंज मोहल्ला निवासी अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ आर्यन, राहुल कुमार सिंह उर्फ बड़कू, जुगसलाई पवट मोहल्ला निवासी हरप्रीत सिंह भामराह उर्फ हैप्पी, राहुल सिंह उर्फ गेटलू, जुगसलाई खटिक मोहल्ला निवासी अंकित सोनकर उर्फ अंकित खटीक और चांडिल घोड़ानेगी निवासी बानेश्वर नामता शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों के पास से चार देसी

पिस्तौल, पांच गोली, तीन मैगजीन, एक खोखा बरामद किये गये हैं। इसके साथ ही पुलिस ने मरुन रंग की एक वैगनआर कार और छह मोबाइल फोन जब्त किया है। इस मामले में मनीष सिंह को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जायेगी। बुधवार को ये जानकारी सिटी एसपी ललित मीना दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार राहुल सिंह और हरप्रीत सिंह के खिलाफ गोलमुरी थाना में केस दर्ज है। जबकि बानेश्वर नामता के खिलाफ चांडिल, चौका, आरआइटी, तिरुलडीह और पुरुलिया के अड़सा थाना में केस दर्ज है। वही, अंकित सोनकर उर्फ अंकित खटिक के खिलाफ बमार्माइंस और टेल्को थाना में मामला दर्ज है। मालूम हो कि गत 17 मई को जुगसलाई नगरपालिका कॉम्पलेक्स स्थित यूनिक कलेक्शन में रंगदारी देने से इनकार करने पर इन अपराधियों ने फायरिंग की थी।

लू एवं गर्म हवाओं से बचाव

PR No: 380346 (Health Med Edu and Family Welfare) 26-27

गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव :

- शरीर में पानी की कमी
- उल्टी, तेज बुखार
- कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना
- हृदयाघात, मस्तिष्काघात
- कार्डियोवैस्कुलर जटिलता आदि लक्षण

ओ.आर.एस घोल बनाने की विधि एवं उपयोग

- साफ बर्तन में एक लीटर पानी (साधारण ग्लास से पाँच ग्लास) में ओ.आर.एस. का एक पूरा पैकेट घोल दें
- तैयार किए गए ओ.आर.एस. के घोल को कुछ-कुछ अंतराल पर चम्च्च से लू प्रभावित व्यक्ति को देते रहें
- बनाए गए ओ.आर.एस. घोल को 24 घंटे के बाद उपयोग न करें

इनका नियमित सेवन करें :-

नमक-चीनी का घोल, छाछ, नींबू-पानी, आम का शर्बत, लस्सी, तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी

ओ.आर.एस. का पैकेट निकटतम सरकारी अस्पताल/ स्वास्थ्य उपकेन्द्र/ सहिया के पास निःशुल्क उपलब्ध है

- गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए ज्यादा पानी पीएं।
- घर से बाहर निकलें, तो खुद को कवर करके ही निकलें।
- लू लगे व्यक्ति को छाँव में लिटा दें, अगर उनके शरीर के कपड़े तंग हों तो उसे ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछें या ठंडे पानी से नहलाएं।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार न हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं।

तेज धूप और लू का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।सावधानियाँ हीं बचाव।

- हल्के रंग के ढीले ढाले सूती कपड़े पहनें
- धूप का चश्मा इस्तेमाल करें
- सम्भव हो,तो तौलिया/गमछा रखें
- जूते/चप्पल पहनें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

National Program on Climate Change and Human Health (NPCCHH)

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी\ शिकायत हेतु 24/7 निःशुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 (टॉल फ्री) पर कॉल करें